सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-44
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
कौन बताता है भला समंदर का रास्ता नदी को, जिन्हें मंज़िल पानी होती है वो सुझाव नहीं लेते।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार, 22 मई 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

कवर्धा सड़क हादसे पर हाईकोर्ट का एक्शन

19 आदिवासियों की मौत को माना जनहित याचिका, 10 घायलों को बनाया पक्षकार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा ने कवर्धा जिले में हुए सड़क हादसे में 19 आदिवासियों की मौत को जनहित याचिका माना है। इस केस की सुनवाई 24 मई को डिवीजन बेंच में होगी। इससे पहले भी चीफ जस्टिस ने प्रदेश की खस्ताहाल सड़कों को जनहित याचिका मानकर राज्य सरकार से जवाब मांगा था।बतादें कि कवर्धा जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी में हुए पिकअप हादसे में राष्ट्रपति की दत्तक संतान बैगा जनजाति के 19 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। बारह लोगों ने पिकअप से कूदकर जान बचाई। सभी मृतक ग्राम सेमहारा के रहने वाले थे, जो पिकअप से जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने गए थे। कई ऐसे भी लोग हैं, जो एक ही परिवार के थे। ऐसे में परिवार के लोगों का भी रो-रो कर बुरा हाल है। इस हादसे में 15 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, चार घायलों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, 10 लोग घायल हैं, जिनका उपचार चल रहा है।पिकअप, ट्रैक्टर, मेटाडोर, छोटा हाथी जैसे मालवाहकों में यात्री परिवहन अक्सर देखने को मिलता है। खासकर शादी-विवाह और धान-रोपाई व निर्माण कार्य के समय श्रमिकों को मालवाहकों से ही ढोया जा रहा है। विभिन्न मुख्य मार्गों के अलावा शहर के भीतर भी उल्लंघन का यह नजारा देखने को मिलता है। जिसे देखने के बाद भी यातायात विभाग और न ही परिवहन विभाग कार्रवाई करता है। हादसे का एक बड़ा कारण नशा भी है।हादसे के बाद सीएम विष्णुदेव साय ने मृतकों के परिजनों को 5 लाख रुपए और घायल हुए लोगों को 50 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। साथ ही प्रशासन को यह भी निर्देश दिया गया है कि सड़क सुरक्षा के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरती जाए और ऐसे हादसे रोकने के हर संभव उपाय करें। हाईकोर्ट ने जनहित याचिका को सुनवाई के लिए रजिस्टर्ड किया है। इस केस में राज्य शासन के पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव, परिवहन आयुक्त, स्टेट हाईवे और नेशनल हाईवे के साथ ही कलेक्टर सहित 10 लोगों को पक्षकार बनाया गया है।

हाईकोर्ट ने पहले भी लिया है संज्ञान: यह पहली घटना नहीं है, जिसमें चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने स्वत: संज्ञान लिया है। बल्कि, इससे पहले भी उन्होंने जनहित के कई मामलों पर मीडिया में प्रकाशित खबरों को आधार मानकर जनहित याचिका के रूप में सुनवाई शुरू की है। इसी तरह उन्होंने राजधानी रायपुर के विधानसभा रोड सहित प्रदेश की ख़राब सड़कों को जनहित याचिका मानकर सुनवाई की है। इस दौरान डिवीजन बेंच ने शासन को निरन्तर यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने और सड़कों पर सुरक्षा के सभी आवश्यक उपाय किए जाने के लिए निर्देशित किया था।

शिवराज ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पर साधा निशाना,बोले-

अपनों को ठगने वाले महाठग हैं केजरीवाल

दिल्ली/भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान फिलहाल लोकसभा चुनाव प्रचार के सिलसिले में दिल्ली में हैं। यहां पर उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को एक बार फिर निशाने पर लिया और उन्हें ऐसा महाधोखेबाज शख्स बताया, जिसने अपनों को भी ठगने में कसर नहीं छोड़ी।बुधवार को एक न्यूज एजेंसी के पत्रकार के साथ बातचीत में शिवराज ने अरविंद केजरीवाल को लेकर कहा कि ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे केजरीवाल ने ठगा नहीं। वह न सिर्फ करप्शनवाल हैं, बल्कि नटवरलाल भी हैं। जो दूसरों को ठगे वो ठग लेकिन जो अपनों को ठगे वो महाठग। इन्होंने किस-किसको नहीं ठगा। आदरणीय अण्णा हजारे, प्रशांत भूषण समेत नेताओं की एक श्रंखला है, जिन्हें अरविंद केजरीवाल ने धोखा दिया है। यह केवल संयोग नहीं है। उन्होंने कुमार विश्वास के साथ क्या किया? योगेंद्र यादव के साथ क्या किया? अब स्वाति मालीवाल का नंबर है।शिवराज ने कहा कि मैं एक ही सवाल पूछना चाहता हूं कि आखिर वह (केजरीवाल) स्वाति मालीवाल पर बोल क्यों नहीं रहे? स्वाति मालीवाल के मुद्दे पर पहले तो आप नेता संजय सिंह ने बड़े जोश में बयान दिया था कि गलत हुआ है। सख्त एक्शन लेंगे। लेकिन (केजरीवाल) अपने पीए पर बोल क्यों नहीं रहे? शिवराज ने केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि चुप-चुप बैठे हो, जरूर कोई बात है? घोटालों की चाभी क्या विभव कुमार के पास है? आपने बहन-बेटी का अपमान किया, यह जनता सहन नहीं करेगी।

इससे पहले एक सभा में शिवराज सिंह चौहान ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों और देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर भी निशाना साधा। शिवराज ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कश्मीर मामले में एक ऐतिहासिक गलती की। हमारे सुरक्षा बल पाकिस्तान के खिलाफ लड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने युद्ध बंद कर दिया, अगर युद्ध 3 दिन और चलता तो पूरा कश्मीर हमारा होता। अब सिर्फ पाक अधिकृत कश्मीर ही वापस लेना बाकी है और हम इसे वापस लेंगे।

आजमगढ़ को लेकर सीएम योगी का बड़ा एलान

बोले- अगले पांच साल में बना देंगे आर्यमगढ़

सगड़ी (आजमगढ़)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को जीयनपुर में आयोजित चुनावी जनसभा में सपा व कांग्रेस पर हमला बोला। कहा, आप पांच साल का समय दीजिए आजमगढ़ को आर्यमगढ़ बना देंगे।उन्होंने कहा कि आजमगढ़ की जनता को सैफई परिवार लूटने आया है। सवाल किया कि सपा सरकार में आजमगढ़ में एयरपोर्ट क्यों नहीं बनवाया गया? विश्वविद्यालय की स्थापना क्यों नहीं की गई? संगीत विश्वविद्यालय क्यों नहीं बनाया गया?। देश में जब भी कोई बड़ी आतंकी घटना हुई तो आजमगढ़ के संजरपुर और सरायमीर का नाम सुर्खियों में आया। डेढ़ साल में दिनेश लाल यादव निरहुआ ने आजमगढ़ में बहुत काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें कहीं संदेह नहीं है कि तीसरी बार मोदी प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं और देश में भाजपा 400 पार होने जा रही है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की संकल्पना के साथ मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए पूरे देश में लहर चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 80 करोड लोगों को राशन, गरीबों के लिए आयुष्मान कार्ड, किसान सम्मान निधि, शौचालय, उज्ज्वला गैस जैसी तमाम योजनाएं लागू कर देश को समृद्ध बनाया जा रहा है। देश में हाईवे, रेलवे, मेट्रो, नमो भारत,अमृत भारत, कमिश्नरी, विश्वविद्यालय, आइआइटी कालेज जैसे संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री दारा चौहान, भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली, पूर्व विधायक वंदना सिंह ने भी संबोधित किया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण पाल और संचालन दिवाकर सिंह ने किया। मनीष कुमार मिश्रा, अरविंद कुमार जायसवाल, गुड्डू मिश्रा, यशवंत सिंह, पूर्व सांसद डा. संतोष कुमार सिंह, संतोष सिंह टीपू, अतुल कुमार राय, बदरे आलम खान की प्रमुख उपस्थिति रही।

1 जून से बदल जाएंगे ट्रैफिक से जुड़े ये नियम, आपकी जेब पर होगा सीधा असर

इंदौर। देश में हर माह की पहली तारीख को कई नियमों में बदलाव होता है। मई माह जल्द ही खत्म होने वाला है और 1 जून से ट्रैफिक के साथ-साथ बैंकिंग नियमों में भी बड़ा बदलाव होने वाला है। नियमों में यह बदलाव आपके जीवन से साथ-साथ जेब पर भी प्रभाव डालेंगे, इसलिए इनके प्रति अभी से अलर्ट हो जाएं।1 जून 2024 से ट्रैफिक नियमों में बड़ा बदलाव होने वाला है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर वाहन चालकों पर भारी जुर्माना लग सकता है। तेज वाहन चलाने पर 1000 से 2000 रुपये का जुर्माना लगेगा।

इसके अलावा बिना लाइसेंस वाहन चलाने पर 500 रुपए की पेनल्टी देनी होगी। हेलमेट न पहनने पर 100 रुपए का जुर्माना और सीट बेल्ट नहीं पहनने पर 100 रुपए पेनल्टी देनी होगी। नए नियमों के तहत अब ड्राइविंग लाइसेंस बेहद जरूरी हो गया है, अन्यथा भारी जुर्माना लग सकता है। 18 साल से कम उम्र के लोग यदि वाहन चलाते हुए पकड़े जाते हैं तो 25000 रुपए तक जुर्माना लग सकता है। इसके अलावा वाहन मालिक का ड्राइविंग लाइसेंस भी रद्द हो सकता है। हर माह की पहली तारीख को गैस सिलेंडर की कीमत भी अपडेट होती है। 1 जून 2024 को तेल कंपनियां गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव कर सकती है। गौरतलब है कि 1 मई को तेल कंपनियों ने व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती की थी। अब फिर यह उम्मीद है कि एक बार फिर जून में गैस सिलेंडर के दाम घट सकते हैं।

मप्र युवा कांग्रेस की दो-दिवसीय बैठक आज से, संगठन को मजबूत बनाने पर होगा मंथन

भोपाल। प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद युवा कांग्रेस संगठन को और मजबूत बनाने में जुटने जा रहा है। डा. विक्रांत भूरिया के पद छोड़ने के बाद प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष बने मितेंद्र दर्शन सिंह यादव संगठन के पदाधिकारियों के साथ पहली बड़ी बैठक करने जा रहे हैं। यह बैठक आज और कल प्रदेश कांग्रेस कार्यालय भोपाल में होने जा रही है। इसमें प्रदेश भर के पदाधिकारियों, जिला एवं विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्षों को बुलाया गया है। इस दौरान मितेंद्र पदाधिकारियों से एक-एक कर संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कि पदाधिकारियों से संवाद कर यह जानने की कोशिश करेंगे कि संगठन को और अधिक सुदृढ़ कैसे बनाया जाए। कोशिश है कि युवा कांग्रेस देश में अपनी एक अलग पहचान बनाए, जो आक्रामक भी हो और रचनात्मक होने के साथ अपने सामाजिक सरोकार के माध्यम से आम जनमानस से भी सीधे जुड़े। इस बैठक में नवनियुक्त युवा कांग्रेस अध्यक्ष सभी प्रदेश पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों के कामकाज की समीक्षा भी करेंगे।

पाकिस्तान ने यूएन में उठाया टारगेट किलिंग का मुद्दा

राजदूत मुनीर अकरम बोले, 'नया भारत घर में घुसकर मारता है'

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी राजदूत मुनीर अकरम ने टारगेट किलिंग का मुद्दा उठाते हुए पहली बार कहा कि नया भारत आपके घर में आता है और आपको मार डालता है। संयुक्त महासभा को संबोधित करते हुए मुनीर अकरम ने बीते दिनों अमेरिकी अखबार में छपी एक रिपोर्ट के हवाले से यह बयान दिया। मुनीर अकरम ने अपने भाषण में भारत को एक खतरनाक इकाई बताया।मुनीर अकरम ने संयुक्त राष्ट्र में टारगेट किलिंग का मुद्दा उठाते हुए भारत पर निशाना साधा और खालिस्तानी हरदीप सिंह निजर की हत्या का भी जिक्र किया। मुनीर ने कहा कि भारत सरकार विदेशी धरती पर रहने वाले राजनीतिक विरोधियों का खात्मा कर रही है और इसके लिए पाकिस्तान के अंदर भी टारगेट किलिंग की घटनाओं को अंजाम दे रही है। गौरतलब है कि मुनीर अकरम ने 2 मई को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया था और कहा कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने सुरक्षा परिषद, महासचिव और संयुक्त राष्ट्र महासभा अध्यक्ष को भी पाक में टारगेट किलिंग के भारत के अभियान के बारे में जानकारी दी। मुनीर ने कहा कि यह आतंकवाद सिर्फ पाकिस्तान तक सीमित नहीं है, बल्कि कनाडा और अमेरिका जैसे अन्य देशों में भी ऐसे प्रयास जारी है। भारत पर आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि मुनीर अकरम ने पीएम नरेंद्र मोदी के एक भाषण का भी उल्लेख किया। उन्होंने वॉशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित पीएम मोदी के एक भाषण के अंश का जिक्र करते हुए दावा किया कि मोदी ने कहा था कि आज, भारत के दुश्मन भी जानते हैं कि यह मोदी है। यह नया भारत है। यह नया भारत घर में घुसकर मार डालता है।' गौरतलब है कि देश में चल रहे चुनाव प्रचार के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान का जिक्र करते हुए एक टिप्पणी की थी। पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के लातूर में एक चुनावी रैली में कहा था कि आज भारत डोजियर नहीं भेजता है। आज भारत आतंकियों को घर में घुसकर मारता है।'

भारत में पैर पसार रहा कोरोना का नया वेरिएंट अब तक 300 से ज्यादा लोग संक्रमित

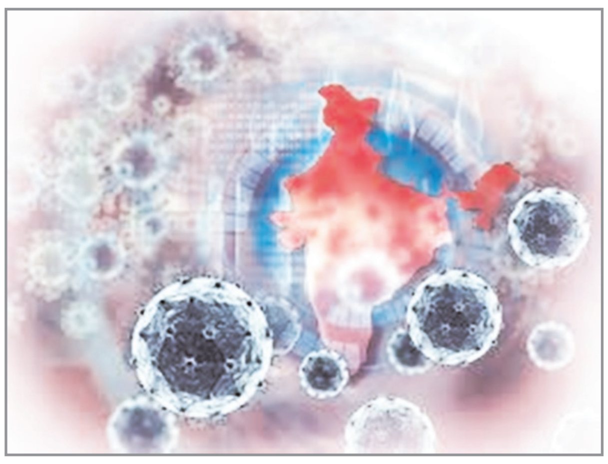

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस के एक नए वेरिएंट ने फिर पैर पसारना शुरू कर दिया है। समाचार एजेंसी एएनआई ने जानकारी दी है कि कोविड-19 के सब वैरिएंट KP.2 से 290 लोग संक्रमित हुए हैं, वहीं दूसरी ओर KP.1 वेरिएंट के कारण 34 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। आपको बता दें कि बीते दिनों इन दोनों वेरिएंट के कारण ही सिंगापुर में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई थी और अब इस वेरिएंट के मामले भारत में भी तेजी से बढ़ रहे हैं। कोरोना वायरस के ये दोनों ही वेरिएंट JN-1 वेरिएंट के सब वेरिएंट हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, इन दोनों वेरिएंट से संक्रमित लोगों में ज्यादा गंभीर लक्षण नहीं दिखाई देते हैं, इसलिए चिंतित होने का कोई कारण नहीं है।मिली जानकारी के मुताबिक, केपी.1 के कुल 34 मामले 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में देखने को मिले हैं। सबसे ज्यादा 23 संक्रमित बंगाल में दर्ज किए गए। इसके अलावा गोवा में 1, गुजरात में 2, हरियाणा में 1, महाराष्ट्र में 4, राजस्थान में 2 और उत्तराखंड में 1 मामला सामने आया है। केपी.2 सब वेरिएंट से 290 लोग संक्रमित हुए हैं, जिनमें सबसे अधिक 148 मामले सिर्फ महाराष्ट्र में ही मिले हैं। इस वेरिएंट के दिल्ली में 1, गोवा में 12, गुजरात में 23, हरियाणा में 3, कर्नाटक में 4, मध्य प्रदेश में 1, ओडिशा में 17, राजस्थान में 21, उत्तर प्रदेश में 8, उत्तराखंड में 16 और बंगाल में 36 लोग संक्रमित हुए। इंसाकॉग ने कहा है कि इस नए वेरिएंट से घबराने की जरूरत नहीं है। हम हर परिस्थिति और चुनौती से लड़ने के लिए सक्षम हैं। आपको बता दें कि भारतीय सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (इंसाकॉग) 30 दिसंबर 2020 को भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया था, जो जीनोम सीक्वेंसिंग प्रयोगशालाओं का एक राष्ट्रीय बहु-एजेंसी कंसोर्टियम है। शुरुआत में इस कंसोर्टियम में 10 प्रयोगशालाएं जुड़ी थी, लेकिन अब इसके तहत 28 प्रयोगशालाएं हैं, जो सार्स-कोव-2 में हुई जीनोमिक विविधताओं पर निगाह रखती है।

सिंगल कॉलम

मक्सी के आगे पचोर रोड पर बस हादसे में घायल 22 यात्रियों को इंदौर भेजा

इंदौर। इंदौर से अशोक नगर जा रही बालाजी ट्रेवल्स की बस पचोर रोड पर हादसे का शिकार हो गई। हादसे के कुछ घायलों को सुबह उपचार के लिए एमवाय अस्पताल लाया गया। तेजी से बस चला रहे ड्रायवर ने बस को ब्रिज से नीचे गिरा दिया। बस में 50 से ज्यादा यात्री सवार थे। इंदौर लाए गए घायलों ने बताया कि इंदौर से जब बस अशोक नगर के लिए निकली तो ड्रायवर बस काफी तेज चला रहा था। कुछ यात्रियों ने उसे टोका ,लेकिन वह नहीं माना। मक्सी के पास ढाबे पर ड्रायवर ने बस पौन घंटे के लिए रोकी थी। इसके बाद ड्रायवर ने बस काफी तेज चलाना शुरू कर दी। बस चलाते समय वह बार-बार मोबाइल देख रहा था। तब भी वह बस की स्पीड कम नहीं कर रहा था। पचोर रोड पर ड्रायवर का बस पर कंट्रोल नहीं रहा और उसने बस ब्रिज से नीचे गिरा दी। बस हादसे में गंभीर रुप से घायल 22 यात्रियों को उपचार के लिए पहले शाजापुर भेजा गया,लेकिन वहां इलाज के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं नहीं होने से घायलों को इलाज के लिए इंदौर के एमवाय अस्पताल भेज दिया गया। किसी घायल का हाथ फ्रैक्चर हुआ है तो किसी के पैरों में चोट आई है। घायलों में पांच यात्री इंदौर के निवासी है, जो यहां से ही बस में सवार हुए थे।

मिलावट में दोषी पाए गए 17 फूड कारोबारियों पर 14 लाख रु. का फाइन

इंदौर। इंदौर में मिलावटी घी, दही, पनीर, आटा आदि बनाने, बेचने में लिप्त पाए जाने पर 17 फूड कारोबारियों पर 13.70 लाख रु. का अर्थदंड किया है। यह कार्रवाई न्यायालय न्याय निर्णायक अधिकारी (अपर कलेक्टर) गौरव बैनल द्वारा की गई है। अर्थदंड नहीं भरने पर लाइसेंस सस्पेंड करने के साथ वसूली भू-राजस्व बकाया के रूप में की जाएगी। जिन फूड कारोबारियों पर अर्थदंड किया है उनके नाम 1. सोशल इन्दौर एलएलपी, सी-21 बिजनेस पार्क, आरती गृह उद्योग 2. होटल कोनार्क इन, यू स्कीम 54 3. शिव शक्ति दूध दही भण्डार, नंदलालपुरा 4. अल्फा डेयरी, गीता भवन 5. चंद्रवशी डेयरी, मंगल नगर 6. जैन मिठाई एवं नमकीन भण्डार, साकेत चौराहा 7. यादव दूध डेयरी, नई बस्ती निरजंनपुर 8. देव कृपा डेयरी जवाहर मार्ग, गौतमपुरा 9. मां की रसोई, गोपुर चौराहा 10. नवदुर्गा एव्हरफ्रेश एण्ड डेयरी, सुदामा नगर 11. एमके फूड्स, प्रजापत नगर 12. अमृत डेयरी, महावर नगर 13. शंकर फूड प्रोडक्ट्स, सुगंधा नगर 14. बाबा साहब दूध दही भण्डार, राजेन्द्र नगर 15. मां शारदा दूध डेयरी, अंसार बाग कॉलोनी 16. आराध्या दूध डेयरी, परदेशीपुरा और 17. राधिका स्वीट्स नमकीन एण्ड स्वीट्स पार्लर, धनवंतरी नगर हैं। इनके संचालक मिलावटी घी, दही, पनीर, आटा सहित अन्य खाद्य पदार्थों का निर्माण, बेचना में दोषी पाए गए। इसमें कई मिलते-जुलते नामों कारोबार कर रहे थे। कुछेक के पास लाइसेंस नहीं था तो कहीं निरीक्षण में गंदगी मिली थी। मामले में 50 हजार रु. से 1.50 लाख रु. तक का अर्थदंड किया गया है।

फायर सेफ्टी के लिए समय बढ़ाया, एक हफ्ते में करना होगा सुधार

इंदौर। पिछले दिनों सी-21 मॉल के सामने टावर-61 के रूफ टॉप में लगी आग के बाद कलेक्टर आशीष सिंह ने बिल्डिंग मालिकों को एक और हफ्ते का समय दिया है। अब अगर लापरवाही पाई गई तो सील करने की कार्रवाई की जाएगी। पिछले माह कलेक्टर ने पांच से ज्यादा बिल्डिंग मालिकों और प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी नहीं होने पर सील करने की कार्रवाई की थी। साथ ही शहर भर के बिल्डिंग मालिकों को इंतजाम के लिए एक माह का समय दिया था। यह अवधि आज खत्म हो गई है। कलेक्टर ने बताया कि इसके लिए एक हफ्ते का समय और दिया है। इसके बाद भी अगर संबंधितों द्वारा फायर सेफ्टी के इंतजाम नहीं किए तो सील करने की कार्रवाई होगी। फायर सेफ्टी की गाइड लाइन के मुताबिक 10 मीटर से कम ऊंचाई वाली मर्केन्टाइल-बिजनेस बिल्डिगों आग बुझाने के उपकरण, फर्स्ट हौज रील, डाउन राइजर, मैन्युअल फायर अलार्म, छत पर 10 हजार लीटर पानी की टंकी और फायर पम्प जरूरी होगा।10 मीटर से 15 मीटर तक की ऊंचाई वाली बिल्डिंग में भी आग बुझाने के उपकरण, फर्स्ट होज रील, डाउन राइजर, मैन्युअल फायर अलार्म के अलावा अंडर ग्राउंड 50 हजार लीटर का टैंक, छत पर 5 हजार लीटर पानी की टंकी और फायर पम्प जरूरी होगा।

बैग सेंटर में काम कर रहे नेपाल-बिहार के 7 बच्चों को कराया मुक्त

इंदौर। जिला प्रशासन ने मोती तबेला स्थित एक बैग सेंटर से 7 बच्चों को मुक्त कराया है। वे यहां कई महीनों से काम कर रहे थे। इनसे 11-11 घंटे काम लेकर मात्र 7 हजार रुपए वेतन दिया जा रहा था। ये बच्चे 15 से 17 वर्ष के हैं और नेपाल-बिहार के रहने वाले हैं। जिला प्रशासन को सूचना मिली थी कि मोती तबेला स्थित मंजा नासिम और आकाश यादव द्वारा बैग तैयार किए जाते हैं। इन्हें बनाने के लिए नेपाल और बिहार के बच्चों को बुलाया गया है।

जीएसटी पंजीयन से पहले होगा बिजली बिल का सत्यापन, एक जून से नई व्यवस्था

सिटी चीफ इन्दौर

जीएसटी के फर्जी रजिस्ट्रेशन और बोगस बिलों को जारी होने से रोकने में बिजली कंपनी का डाटा मददगार बनेगा। कुछ यही सोच के साथ मप्र में स्टेट जीएसटी (राज्य कर) पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा है। कारोबारी-व्यवसायी को राज्य जीएसटी पंजीयन तब ही जारी करेगा जबकि उनके बिजली बिल का सत्यापन आनलाइन हो सकेगा। इसके लिए बकायदा विद्युत वितरण कंपनी के आनलाइन डाटा को जीएसटी के साथ लिंक किया जा रहा है। बिजली बिल की अनिवार्यता के लिए नया आदेश भी जारी कर दिया गया है। 13 मई को अधिसूचना जारी कर स्टेट जीएसटी ने जीएसटी रजिस्ट्रेशन के आनलाइन फार्म आरईजी-वन के सरल क्रमांक 24 में उल्लेखित दस्तावेजों की सूची में संशोधन का आदेश जारी किया है। नए निर्देश के तहत अब ऐसी सभी फर्में जिनका क्षेत्र (ज्यूरिडिक्शन) स्टेट जीएसटी के अधीन आता है, उन्हें अपने ताजा बिजली बिल की प्रति भी जीएसटी रजिस्ट्रेशन के साथ लगानी होगी। यह बिल वर्क प्लेस यानी फर्म के पते का ही होना चाहिए। जीएसटी विभाग के अधिकारियों के अनुसार जीएसटी काउंसिल में बीते

समय हुए निर्णय के आधार पर यह बदलाव किया गया है। दरअसल महाराष्ट्र और मप्र में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर बिजली के बिल रजिस्ट्रेशन देने से पहले जांचे जाएंगे। विभागीय अधिकारियों के अनुसार मप्र और महाराष्ट्र में विद्युत वितरण कंपनियां बिजली के बिल आनलाइन जारी कर रही हैं। ऐसे में बिजली बिल के डाटा का आनलाइन सत्यापन फिलहाल इन ही प्रदेशों में संभव है। इसके लिए बाकायदा बिजली कंपनी के डाटा को स्टेट जीएसटी के पोर्टल से लिंक किया जा रहा है ताकि रजिस्ट्रेशन देने वाला अधिकारी बिल का सत्यापन कर यह जांच सके कि पता सही है। रजिस्ट्रेशन मांग रहा व्यक्ति ही उस पर व्यापार करना चाह रहा है। एक जून से नई व्यवस्था लागू करने के आदेश दे दिए गए हैं।

बोगस रजिस्ट्रेशन रोकने की कोशिश

बीते वर्षों में जीएसटी लागू होने के बाद तमाम ऐसे मामले सामने आए हैं जबकि दूसरों के पते पर रजिस्ट्रेशन हासिल कर कई लोगों ने फर्जी फर्में खड़ी कीं और बोगस बिलों से टैक्स की चोरी की व इनपुट टैक्स क्रेडिट का घोटाला भी किया। इसके लिए आवेदन के साथ बिजली बिलों की प्रति या पते के अन्य दस्तावेजों में हेरफेर कर लगा दिया गया। कर सलाहकार अनुराग लखोटिया के अनुसार रजिस्ट्रेशन के लिए होने वाले आवेदन में अभी फर्म और स्वामित्व की जानकारी मांगी जाती है। उसमें लीज, किराया, साझा और अन्य विकल्प है। इसमें दस्तावेजों के साथ नगर निगम या पालिका की टैक्स रसीद, कियायानामा, लीज डीड या बिजली बिल में से कोई एक अपलोड करने के लिए कहा जाता है।

नगर पालिका और निगम का पोर्टल महीनों से बंद है, ऐसे में संपत्ति कर की रसीद का आनलाइन सत्यापन संभव नहीं हो सकता। बिजली बिल आनलाइन ही जारी हो रहे हैं, ऐसे में असल व्यक्ति के पते का सत्यापन अब आनलाइन बिजली बिलों के द्वारा संभव हो सकेगा। आनलाइन जांच में यदि पते पर जारी हो रहे बिजली बिल में दर्ज व्यक्ति और जीएसटी पंजीयन लेने वाले की पहचान में अंतर निकला तो अधिकारी संदेह के आधार पर बोगस रजिस्ट्रेशन नहीं होने देंगे। अभी पायलट प्रोजेक्ट है। यदि यह प्रयोग सफल रहा तो इसे फिर देशभर में लागू किया जा सकता है।

युवतियों से दोस्ती कर अश्लील वीडियो बनाया, ब्लैकमेलर हुआ गिरफ्तार

सिटी चीफ इन्दौर

द्वारकापुरी पुलिस ने ऐसे ब्लैकमेलर को गिरफ्तार किया है जो युवतियों से दोस्ती कर उनके अश्लील वीडियो बना लेता था। आरोपित वीडियो और फोटो बहुप्रसारित करने की धमकी देकर उनसे रुपयों की मांग करता था। मूलतः मुरैना निवासी मनीष फिलहाल साजन नगर (चितावद) में रहता है। वह सेल्फ स्टडी और शेयर मार्केटिंग (एडवाइजरी) फर्म में काम करता है। द्वारकापुरी क्षेत्र में रहने वाली एक युवती ने शिकायत कर बताया कि मनीष उससे 10 हजार रुपयों की मांग कर रहा है। फोटो और वीडियो बहुप्रसारित करने की धमकी देकर नौ हजार रुपये ले चुका है। सोमवार को पुलिस ने मनीष को गिरफ्तार कर लिया। टीआइ अनिल गुप्ता के मुताबिक, मनीष के मोबाइल में केलक्यूलेटर के नाम से एक एप था। उसमें गुप्त फाइलें सेव मिली। जांच में उन फाइलों

Demo Photo

में एक दर्जन युवतियों के फोटो और वीडियो मिले जो मनीष ने स्वयं बनाए थे। उसने पूछताछ में बताया कि वह इंटरनेट मीडिया के माध्यम से युवतियों से दोस्ती करता था। शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाकर उनके अश्लील फोटो और वीडियो बना लेता था। टीआइ के मुताबिक, मनीष ने कई लड़कियों को ब्लैकमेल किया है लेकिन बदनामी के डर से पुलिस को नहीं बताया।

अक्षय बम के खिलाफ अब धारा 420 लगाने की मांग

सिटी चीफ इन्दौर

कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए अक्षय बम के खिलाफ 17 साल पुराने केस में अब धोखाधड़ी सहित अन्य धाराएं बढ़ाने की मांग कोर्ट से की गई है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अक्षय पर धारा 307 बढ़ाई गई थी। इसके बाद अक्षय ने लोकसभा प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन वापस ले लिया था और भाजपा में शामिल हो गए थे। इस मामले में अब कोर्ट ने आठ जुलाई तक पुलिस को रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा है। केस में फरियादी युनूस पटेल के वकील मुकेश देवल ने बताया कि पुलिस ने मामले में अक्षय बम के खिलाफ जो जांच की थी वो अपूर्ण है। हमने ये मांग की है कि जांच को मनमाने तरीके से किया गया है, उसमें बहुत सारी कमियां थी। उन्हें दूर करना चाहिए। हमारी मांग है कि आरोपियों से दस्तावेज जब्त किए जाएं। केस दर्ज होने के पहले 6 एग्रीमेंट है। बाउंस चेक है जिस पर अक्षय बम की साइन है। इस तरह 420, 406 और 409 की धारा भी केस में बनती है। पुलिस ने ये जांच नहीं की। पुलिस ने केस को कमजोर करने की कोशिश की है। रिंकू वर्मा जो प्रत्यक्षदर्शी था उसके बयान लिए जाएं और केस में धाराएं बढ़ाई जाएं।

बिना पैसे दिए जमीन पर कब्जा करने की मंशा थी

वकील ने बताया कि हमने मांग की है कि 17 साल में अक्षय बम और पटेल परिवार के बीच में जो भी मामले हुए हैं उनके सारे दस्तावेज रिकॉर्ड पर लिए जाएं। बिना पैसे दिए अक्षय की जमीन पर कब्जा करने की मंशा रही है। सोमवार को कोर्ट में आवेदन लगाया था।

कांग्रेस से भाजपा में जाने पर इंदौर के तीन पार्षद हो सकते हैं बर्खास्त

राज्यपाल के पास पहुंचा मामला

सिटी चीफ इन्दौर

हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थामने वाले इंदौर के तीन पार्षदों ममता सुभाष सुनेर, शिवम यादव एवं विनीता धर्मेंद्र मौर्य को पार्षद पद से बर्खास्त करने के लिए इंदौर शहर महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया मिमरोट भाटिया ने अभिभाषक जयेश गुरनानी के माध्यम से मध्यप्रदेश के राज्यपाल को याचिका भेजी है।

याचिका में कहा गया है कि तीनों पार्षदों को दलबदल कानून का हवाला देकर पद से हटाएं तथा उक्त वार्डों में फिर से चुनाव कराने की मांग की गई है।

ज्ञातव्य है कि मध्यप्रदेश में पूर्व में भी सिंधिया समर्थक 22 विधायकों ने दल बदलकर कमलनाथ सरकार को अल्पमत में लाकर भाजपा की सरकार बनाई थी, जिसके बाद दलबदल कानून के अंतर्गत 22 विधानसभा सीटों पर पुनः चुनाव हुए थे। हाल ही में इंदौर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम द्वारा दलबदल से कांग्रेस को प्रत्याशी विहीन होना पड़ा था तथा डमी प्रत्याशी मोती सिंह को सर्वोच्च न्यायालय ने याचिका में देरी होने से राहत नहीं दी थी। भारतीय संविधान अनुसार संसद या विधायक दल बदल करते हैं तो भारतीय संविधान की अनुसूची 10 के तहत उक्त सांसद एवं विधायक का कार्यकाल समाप्त करने का प्रावधान है परंतु संभवतः यह पहली बार है कि इंदौर नगर निगम के तीन पार्षदों द्वारा दलबदल किया गया है। उपरोक्त संवैधानिक व्यवस्था तथा मध्य प्रदेश नगर निगम अधिनियम के प्रावधानों अनुसार उपरोक्त परिस्थिति में पुनः चुनाव कराए जा सकते हैं।

शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने लगाई याचिका

कांग्रेस की पार्षद एवं इंदौर शहर महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया मिमरोट भाटिया ने मध्यप्रदेश के राज्यपाल तथा मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव को याचिका प्रस्तुत कर दल बदलू पार्षद ममता सुभाष सुनेर, शिवम यादव एवं विनीता धर्मेंद्र मौर्य को तत्काल पार्षद पद से बर्खास्त करने एवं शेष कार्यकाल के लिए पुनः चुनाव कराने की मांग की है। यह आवेदन सोनिया मिमरोट भाटिया द्वारा अभिभाषक जयेश गुरनानी द्वारा विधिक अभिमत प्राप्त करने पश्चात दिया गया है।

इलाज का खर्च पांच लाख बताकर बना दिया 21 लाख से अधिक का अंतिम बिल

सिटी चीफ इन्दौर

शहर के एक निजी अस्पताल द्वारा इलाज का खर्च पांच लाख रुपये बताकर अंतिम बिल 21 लाख रुपये से अधिक बनाने का मामला सामने आया है। इसमें स्वजन का आरोप है कि मेदांता अस्पताल में पैसे नहीं देने पर 76 वर्षीय बुजुर्ग को बंधक बना लिया गया था। हालांकि बाद में कलेक्टर के हस्तक्षेप से 13 लाख रुपये मरीज के माफ कर दिए गए। स्वजनों के मुताबिक अनिल कुमार सोनी की बायपास सर्जरी करने के लिए पांच लाख रुपये का इस्टीमेट बनाया था, लेकिन डिस्चार्ज की बारी आई तो हमें 21.53 लाख रुपये का बिल दे दिया। इसके बाद से ही बुजुर्ग की बेटी लोगों से मदद मांग रही थी।

स्वजन ने लगाया 76 वर्षीय मरीज को अस्पताल में बंधक बनाने का आरोप

मामले में अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि मरीज को 18 मार्च को भर्ती करवाया गया था। उन्हें लंबे समय तक वेंटिलेटर सपोर्ट

और आइसीयू में रहना पड़ा, साथ ही कई दिनों तक हाई एंटीबायोटिक दवाओं के साथ-साथ गहन देखभाल की भी आवश्यकता थी। सर्जरी के तीन हफ्ते बाद जब वह ठीक हो रहे थे और ट्रेकिओस्टामी से सांस ले रहे थे, उन्हें गंभीर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ब्लीडिंग हो गई। ब्लड ट्रांसफ्यूजन और एम्बोलाइजेशन की मदद से उनका फिर उपचार किया गया। इसलिए उन्हें 62 दिनों तक अस्पताल में रखा गया। इस दौरान हर दिन होने वाले खर्च के बारे में मरीज को स्पष्ट जानकारी दी गई थी। मरीज द्वारा केवल छह लाख 52 हजार रुपये का भुगतान किया गया था। सीएम फंड की राशि और 13 लाख 36 हजार 854 रुपये के बकाया लिए बिना उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था। बताया जा रहा है कि मामले की जानकारी कलेक्टर आशिष सिंह को लगी तो उनके हस्तक्षेप के बाद मरीज को डिस्चार्ज कर दिया गया।

ड्रोन की मदद से डेरों में घुसे 50 पुलिसकर्मी, इनामी डकैतों सहित छह गिरफ्तार

सिटी चीफ इन्दौर

शहर में लूट-चोरी और डकैती जैसी घटना कर रहे अपराधियों पर पुलिस टूट पड़ी। ड्रोन कैमरे से अपराधियों के छुपने और भागने के रास्ते ढूंढे और एक साथ 50 पुलिसकर्मियों ने धावा बोल दिया। करीब चार घंटे चली कार्रवाई में पुलिस ने दो डकैतों सहित छह अपराधियों को पकड़ लिया। इनसे बाइक, चांदी, मोबाइल मिले हैं। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून) अमित सिंह के मुताबिक वाहन चोरी, नकबजनी और लूट जैसी घटनाओं में बाग-टांडा के गिरोह के शामिल होने की सूचना मिल रही थी। सोमवार रात जोन-1 के डीसीपी विनोद कुमार मीना ने तेजाजी नगर और मल्हारगंज थाना के पुलिसकर्मियों की दो टीम बनाई और सुबह एक साथ छापा मारा। डीसीपी के मुताबिक पुलिसकर्मियों को ड्रोन कैमरे, दूरबीन, टार्च, पिस्टल और बलवा सामग्री के साथ भेजा गया था। टीम ने रात तीन बजे ग्राम कांकडवा, तरसिंह, बगवली में अपराधियों के डेरों पर ड्रोन कैमरे से रैकी की। उनके भागने के रास्तों का पता लगाकर पुलिसकर्मी हथियार सहित खड़े कर दिए। चारों तरफ से हुई घेराबंदी में छह बदमाश पकड़ा गए। आरोपित एलसिंह तो डकैती का मुलजिम निकला, जिसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये का

इनाम घोषित था। एक अन्य आरोपित करमसिंह भी चोरी और डकैती के मामले में तीन साल से फरार था। वहीं चार आरोपित पंकेश बघेल (कांकडवा), ध्यानसिंह(तरसिंह), प्रकाश भावर (बगवली) और जोगड़िया निवासी बगवल टांडा जिला धार हैं। आरोपितों से सात बाइक, नौ मोबाइल और चांदी के आभूषण मिले हैं। लंदन विलाज डकैती में शामिल थी बाग-टांडा की गैंग शहर में हुई बड़ी चोरी और डकैती की घटनाओं में बाग-टांडा के गिरोह का हाथ निकलता है। बाणगंगा थाना क्षेत्र के लंदन विलाज में हुई डकैती में बोरी गांव के सोमला गिरोह का हाथ था। कनाड़िया थाना क्षेत्र में आने वाले तिलक नगर में बैंडबाजा संचालक के घर में भी बाग-टांडा के गिरोह ने डाका डाला था।

पन्ना नेशनल पार्क में वाइल्डलाइफ फोटो प्रतियोगिता की विनर बनीं भोपाल की अक्षिता

सिटी चीफ भोपाल

देशभर के 50 वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर्स ने लिया था प्रतियोगिता में हिस्सा। पेशे से साफ्टवेयर इंजीनियर अक्षिता जैन कुशल भरतनाट्यम नृत्यांगना भी हैं।

मोहम्मद अबरार खान, भोपाल। झीलों की नगरी भोपाल की अक्षिता जैन ने पन्ना नेशनल पार्क में हाल ही में आयोजित वाइल्ड क्लासिक्स-9 का ग्रांड विनर प्राइज जीत लिया है। यह प्रतियोगिता 17 से 21 मई के दौरान आयोजित हुई थी। अक्षिता को पुरस्कार के रूप में सोनी कंपनी का लगभग साढ़े तीन लाख रुपये कीमत का कैमरा मिला है।

अक्षिता के पिता पुष्पेंद्र जैन ने बताया कि बिटिया ने हमारे परिवार का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है।

यह देश की एकमात्र लाइव फोटोग्राफी कांटेस्ट है, जो देश के विभिन्न सेंचुरी, रिजर्व पार्क और ऐतिहासिक स्थलों पर आयोजित की जाती है। यह इसका नौवां आयोजन था। अक्षिता ने इसमें तीसरी बार हिस्सा लिया। इससे पहले भी उसे इनाम मिले, लेकिन ग्रांड विनर पहली बार बनी है।

यह आयोजन मध्य प्रदेश के पन्ना टाइगर रिजर्व और पन्ना के आसपास के मंदिरों, ट्राइबल लोकेशन (जनजातीय और वन्य) को मिलाकर किया गया था। इसमें फोटोग्राफी स्टोरी के साथ साथ करनी होती है। यह प्रतियोगिता चार दिन तक वर्कशाप के साथ चलती है। देशभर के चयनित पचास वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर को इस में शामिल किया गया था। इसमें शुभरंजन सेन, शिवांग मेहता, सुधीर शिवराम जैसी देश की ख्यात हस्तियों ने जज की भूमिका निभाई। यहां पर यह भी बता दें कि आइआइटी, गुवाहटी से गोल्डमेडलिस्ट अक्षिता फिलहाल माइक्रोसाफ्ट कंपनी में साफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर कार्यरत हैं और हैदराबाद में पोस्टेड हैं। वे भरतनाट्यम नृत्यांगना के साथ ही उभरती वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर हैं।

मप्र युवा कांग्रेस की दो-दिवसीय बैठक आज से, संगठन को मजबूत बनाने पर होगा मंथन

सिटी चीफ भोपाल

भोपाल। प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद युवा कांग्रेस संगठन को और मजबूत बनाने में जुटने जा रहा है। डा. विक्रांत भूरिया के पद छोड़ने के बाद प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष बने मितेंद्र दर्शन सिंह यादव संगठन के पदाधिकारियों के साथ पहली बड़ी बैठक करने जा रहे हैं। यह बैठक आज और कल प्रदेश कांग्रेस कार्यालय भोपाल में होने जा रही है। इसमें प्रदेश भर के पदाधिकारियों, जिला एवं विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्षों को बुलाया गया है। इस दौरान मितेंद्र पदाधिकारियों से एक-एक कर संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कि पदाधिकारियों से संवाद कर यह जानने की कोशिश करेंगे कि संगठन को और अधिक सुदृढ़ कैसे बनाया जाए। कोशिश है कि युवा कांग्रेस देश में अपनी एक अलग पहचान बनाए, जो आक्रामक भी हो और रचनात्मक होने के साथ अपने सामाजिक सरोकार के माध्यम से आम जनमानस से भी सीधे जुड़े। इस बैठक में नवनियुक्त युवा कांग्रेस अध्यक्ष सभी प्रदेश पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों के कामकाज की समीक्षा भी करेंगे

यूजी में अब तक 1.61 लाख तो पीजी में 36 हजार पंजीयन हुए

सीटों का आवंटन 25 और 29 मई को

सिटी चीफ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर के सरकारी और निजी कॉलेजों में स्नातक (यूजी) और स्नात्कोत्तर (पीजी) में प्रवेश के लिए प्रक्रिया जारी है।मंगलवार तक यूजी के लिए कुल 1.61 लाख ने पंजीयन कराया है, जबकि 1.48 लाख विद्यार्थियों ने कॉलेज का विकल्प दिया है। इसके साथ ही 1.36 आवेदकों ने अपने दस्तावेजों का सत्यापन करा लिया है। वहीं पीजी के लिए मंगलवार को पंजीयन के अंतिम दिन अब तक 36 हजार ने पंजीयन कराया है, जबकि 24 हजार ने दस्तावेजों का सत्यापन कराया है। बता दें, कि विभाग ने इस साल प्रवेश के लिए दो चरणों की मुख्य काउंसलिंग के बाद कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) की जाएगी ।यूजी में पंजीयन करवाने के बाद कॉलेजों में मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों की सूची जारी की जाएगी ।सीट आवंटन 25 मई को होगा ।वहीं पीजी में मंगलवार तक पंजीयन होंगे और 29 मई को सीटों का आवंटन होगा।

बीएड के लिए कुल 38636 सीटे आवंटित

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा बीएड कॉलेजों में संचालित राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के नौ पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी ई-प्रवेश प्रक्रिया चलाई जा रही है। बीएड के लिए मंगलवार तक 58150 सीटों के लिए कुल 38636 सीटों के लिए आवंटन किया गया है।

एनसीटीई के सभी उक्त कोर्सेस को मिलाकर कुल 67675 सीटों के मुकाबले 42152 सीटों पर आवंटन किया जा चुका है। प्रथम चरण में आवंटित कालेज के लिए आनलाइन फीस जमा करने की अंतिम तारीख 25 मई तक है, जबकि सेकंड राउंड में आवेदकों के आनलाइन पंजीयन और शिक्षण संस्थान के चयन की तिथि 21 से 28 मई रखी गई है।

सुरेंद्र हत्याकांड में पांच गिरफ्तार चार दो दिन की पुलिस रिमांड पर

सिटी चीफ भोपाल

विगत 17 मई की शाम सेंट्रल जेल के बाहर हुए सुरेंद्र कुशवाहा हत्याकांड के मामले में एसआइटी ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें से चार को पुलिस ने पूछताछ के लिए दो दिन के रिमांड पर लिया है, जबकि एक आरोपित को जेल भेज दिया गया है। इस वारदात के मास्टर माइंड हिस्ट्रीशीटर तंजिल खान सहित चार बदमाशों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। उन पर 20 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया है। गांधी नगर थाना प्रभारी सुनील कुमार मेहर ने बताया कि पंचशील नगर निवासी 28 वर्षीय सुरेंद्र कुशवाहा 17 मई को अपने दोस्त विकास वर्मा और ईशू खरे के साथ ईशू के बड़े भाई सतीश खरे को पेरोल अवधि समाप्त होने पर जेल छोड़ने गया था। सतीश के जेल के अंदर जाने के बाद ये लोग जेल के पास सांची पार्लर के पास खड़े होकर घर वापस लौटने की तैयारी कर रहे थे। इस दौरान पुरानी रंजिश को लेकर संदेश नरवारे, छोटा फैजल, आकाश भदौरिया, दीपांशु उर्फ तन्नू सेन व अन्य ने चाकू से सुरेंद्र और विकास वर्मा पर हमला कर दिया। जांघ में लगी गंभीर चोट के कारण सुरेंद्र की मौत हो गई थी। हत्या का केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने पीड़ित पक्ष और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए। उसमें इस वारदात में शामिल पंचशील नगर निवासी हिस्ट्रीशीटर तंजिल खान, शाहजहांनाबाद निवासी भूरा हड्डी के अलावा भीमनगर निवासी रावेंद्र उर्फ छोटू सेन, पंचशील नगर निवासी राज सोमकुंवर और अजय पासवान के नाम भी सामने आए।

एसआइटी कर रही पड़ताल

अपराधियों की धरपकड़ के लिए गांधी नगर एवं टीटी नगर थाने की संयुक्त एसआइटी का गठन किया गया। मंगलवार को एसआइटी ने रावेंद्र उर्फ छोटू, छोटा फैजल, दीपांशु सेन उर्फ तन्नू, राज सोमकुंवर और अजय पासवान को गिरफ्तार कर लिया है, इनमें से अजय को जेल भेज दिया गया, जबकि चार आरोपितों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इस मामले में फरार बदमाशों के संभावित ठिकानों पर एसआइटी लगातार दबिश दे रही है।

जीतू पटवारी भाजपा पर बरसे

बोले - प्रदेश में नहीं थम रहे महिला अपराध आयोग में 24 हजार मामले लंबित

सिटी चीफ भोपाल

मध्य प्रदेश में महिला अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अपराध पीड़ित महिलाओं को न्याय नहीं मिल रहा है। महिला आयोग में न तो अध्यक्ष है और न ही सदस्य। इससे सरकार की महिलाओं को न्याय दिलाने की इच्छाशक्ति समझ में आती है। यह आरोप प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को लिखे पत्र में लगाए। कहा कि सरकार 30 दिन की कार्ययोजना बनाए, जिसमें वह प्रदेश की महिलाओं को बताए कि उनकी सुरक्षा के लिए क्या करेगी।

महिला आयोग में इतने मामसे लंबित उन्होंने कहा कि महिला आयोग में 24 हजार मामले लंबित हैं। जबकि, आयोग के नियमानुसार किसी भी शिकायत पर 15 दिन के अंदर कार्रवाई करनी होती है। इससे लगता है कि सरकार की व्यक्तिगत रुचि केवल विपक्षी नेताओं पर एफआईआर कर पॉक्सो एक्ट लगाने में है। वर्ष 2023-24 में महिला प्रताड़ना के सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं।

स्थिति यह है कि भाजपा की ही मंडल अध्यक्ष को जातिसूचक गाली देने तथा अभद्रता के मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। मुख्यमंत्री चूंकि गृह विभाग के मंत्री भी हैं, इसलिए उनकी जिम्मेदारी भी बनती है कि वह महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराएं। पटवारी के आरोपों पर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने पलटवार करते हुए कहा कि जिस पार्टी में महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार होता है। अमर्यादित शब्दों का उपयोग सार्वजनिक तौर पर किया जाता हो, उसके प्रदेश अध्यक्ष को महिला सम्मान की बात करने का अधिकार नहीं है।

साइबर ठगों के निशाने पर कैब चालक, यूपीआइ से रिश्तेदार को रकम भेजने का दे रहे झांसा

सिटी चीफ भोपाल

साइबर ठग एक बार फिर पुराने तरीके से लोगों को ठगने की तरकीब लगा रहे हैं,लेकिन इस बार उनके निशाने पर कैब चालक हैं। वह पहले कैब को बुक करते हैं और थोड़ी ही देर में दोबारा से कैब चालक से मदद मांगने के बहाने से दोबारा से फोन रिश्तेदार को रुपये की जरूरत बताते हैं और कैब चालक को रुपये भेजने का फर्जी संदेश भेजकर कहते हैं कि वह अपना किराया काटकर बाकी रुपये उसके बताए नंबर पर भेज दे।

मजेदार बात यह है कि साइबर ठग एक फर्जी रुपये भेजने का बैंक से भेजे जाने वाला हुबहु दिखने वाला पूरा संदेश भी मोबाइल पर भेजते हैं। इस तरह के मामले एक बार फिर सामने आने लगे हैं। इस प्रकार की ठगी से करीब दस दिन में पांच कैब संचालकों के पास फोन और संदेश आ चुके हैं लेकिन ,वह अपनी सुझबुझ से ठगी का शिकार होने से बच गए।

श्यामलाहिल्स निवासी 40 वर्षीय महेंद्र द्वि?वेदी कैब चालक हैं। 19 मई को उनके पास कैब की बुकिंग करने के लिए निवेदन आया, उसे स्वीकार करने के बाद बुकिंग करने वाले का फोन आया और फोन करने वाले उनसे जल्दी आने का बोला था,उनके आने की बात कहकर फोन काट दिया । थोड़ी ही देर उसने दोबारा फोन किया और उनसे मदद मांगी कि उनकी पत्नी बोर्ड आफिस के सामने आंखों के अस्पताल में हैं। उनके फोन से यूपीआइ नहीं हो रहा है , वह उनको 25 सौ रुपये भेज रहा है, पांच सौ रुपये वह रखकर दो हजार उनको भेज दे। इसके लिए उसने एक रुपये जमा करने वाला एक संदेश भी उसको भेजा।

संदेश देखकर कैब चालक समझ गए फर्जी है

महेंद्र ने बताया कि वह मोबाइल से आए , उसे संदेश को देखकर समझ गए कि मामला गड़बड़ है। रुपये जमा होने पर उनकी बैंक से संदेश आना था,लेकिन आरोपित के मोबाइल नंबर से रुपये आने का संदेश भेजा। जब उसने दोबारा से उनको फोन किया और पूछा कि रुपये मिल गए तो उन्होंने उसे उस फर्जी संदेश के बारे में बताया। उसके बाद उसने फोट काट दिया। जिस नंबर से उसने फोन किया था, उस पर अभिषेक नाम लिखा आ रहा था।

साइबर पर नहीं पहुंची शिकायत

साइबर क्राइम के एसीपी सुजीत तिवारी ने बताया कि ऐसे ठगों से सावधान रहने की जरूरत है। इस प्रकार के फोन आने पर साइबर क्राइम में शिकायत करें और उनसे फोन पर जयादा बात नहीं करें । एटीएम , बैंक और क्रेडिट कार्ड संबंधित कोई जानकारी साझा नहीं करें।

पत्नी ने पति को खोजने लगाई याचिका, पता चला धोखाधड़ी के केस में फरार है

ग्वालियर। हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में एक महिला याचिकाकर्ता ने अपने पति को खोजने को लेकर याचिका दायर करते हुए कहा कि उसके पति काम पर गए थे लेकिन वापस नहीं आए। मंगलवार को हुई सुनवाई में कोर्ट के समक्ष महिला की याचिका पर पेश हुई स्टेटस रिपोर्ट के बारे में अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश शुक्ला ने बताया कि याचिकाकर्ता महिला जिस व्यक्ति के गायब होने की बात कह रही है। उसके ऊपर आइपीसी की धारा 420 और 406 के अंतर्गत मुकदमा चल रहा है जिसको लेकर वह फरार चल रहा है। हाईकोर्ट ने शासन को आदेश देते हुए कहा कि जिस मामले में युवक के ऊपर मामला दर्ज हुआ है उसकी केस डायरी पेश की जाए साथ ही याचिकाकर्ता के मोबाइल फोन को सर्विलांस पर लगाया जाए। अब इस मामले की अगली सुनवाई 28 मई को होगी ।

सोमवार को पेश करनी होगी याची की बेटी

हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ के समक्ष भिंड के दबोह के रहने वाले एक पिता ने याचिका लगाते हुए कहा कि उनकी बेटी किसी के साथ चली गई है । बेटी 16 मई के गायब हुई जिसकी शिकायत 17 मई को लिखवाई गई । 20 तक यह मामला हाईकोर्ट के समक्ष पेश किया गया जिस पर 21 मई को सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान याची की बेटी का एक युवक के साथ जाना बताया गया। हाईकोर्ट ने पूरा मामला सुन कर युवती को आगामी सोमवार को कोर्ट में पेश करने के आदेश दिए गए हैं।

चाकू अड़ाकर युवक का अपहरण महिला सहित चार गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल

राजधानी के ईंटखेड़ी इलाके में स्थानीय थाना पुलिस ने चाकू अड़ाकर एक युवक को आटो से अपहरण कर ले जाने के मामले में एक महिला सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला कि आरोपितों के परिवार की एक किशोरी पिछले दिनों लापता हो गई थी।

उन्हें शक है कि इस युवक का भान्जा उसे लेकर गया है। इसी को लेकर उन्होंने युवक को अगवा किया था।

ईंटखेड़ी थाना पुलिस के मुताबिक कोला मोहल्ला में रहने वाला 26 वर्षीय आरिफ पुत्र मुन्ने खां निजी काम करता है। सोमवार सुबह वह काम पर जाने की तैयारी कर रहा था, तभी उसके घर पर फरहान, शरीफ, दानिश और शकीला नाम की महिला आटो से पहुंची। आरिफ कुछ समझ पाता, तभी उन लोगों ने मारपीट करते हुए उसके गले पर चाकू रख दिया और जबरन आटो में बिठा लिया। वे लोग उसे खेतों के रास्ते से घुमाते हुए ले जा रहे थे। साथ ही मारपीट भी करते जा रहे थे। उधर, इस घटना के बाद आरिफ की मां दौड़ी-दौड़ी पुलिस थाने पहुंची और घटना की सूचना दी। इस पर पुलिस तुरंत युवक की सर्चिंग में जुट गई और इमला चौकी के पास घेराबंदी कर आरिफ को आरोपितों के चंगुल से छुड़ाया। साथ ही सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर आटो जब्त कर लिया।

साम्पदकीय

औसत से ज्यादा वोटिंग क्यों नहीं होती , इस विडंबना की ये है वजह

मौजूदा लोकसभा चुनाव में औसत मतदान 60 प्रतिशत के आसपास रहना निर्वाचन आयोग ही नहीं, राजनेताओं के लिए भी चिंता का विषय है। इससे लोकतंत्र के मूल उद्देश्य पूरे होते नहीं दिखते। स्थिति यह है कि कुल पंजीकृत मतदाताओं के एक चौथाई हिस्से से भी कम का समर्थन पाकर पार्टियां सरकार बना लेती हैं और फिर पूरी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं। उत्तर और पश्चिम इलाकों में, जहां इस समय प्रचंड गर्मी है, वहां तो कम मतदान हो ही रहे हैं, पर्वतीय क्षेत्रों और दक्षिण राज्यों, जहां गर्मी नहीं है, में भी मतदाताओं में उत्साह नहीं नजर आता है। इसकी एक वजह राजनीतिक व्यवस्था से मोहभंग भी हो सकता है। निर्वाचन आयोग और राजनीतिक दलों की तरफ से मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने के तमाम प्रयास किए जाते हैं। लोगों को अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रेरित किया जाता है, लेकिन इससे बहुत फर्क नहीं पड़ता। कुछेक अपवादों को छोड़ दें, तो कभी वोटिंग औसत से ज्यादा नहीं बढ़ी। सिर्फ 2014 और 2019 में मतदाताओं ने उत्साह दिखाया था और औसतन 66 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ था। सवाल यह है कि ऐसे में क्या उपाय किए जाएं कि मतदाता मतदान करने के लिए प्रेरित हों। कम वोटिंग भारत ही नहीं, दुनिया भर के लोकतांत्रिक देशों के लिए चिंता का विषय है। कई देशों ने मताधिकार का उपयोग करना अनिवार्य कर दिया, तो कुछ देशों ने मतदान नहीं करने पर अलग-अलग तरह से दंड लगाने के कानून बनाए। हालांकि कुछ देशों ने बाद में व्यावहारिक परेशानियों के चलते इसे रद्द कर दिया। सबसे पहले बेल्जियम ने 1892 में वोटिंग अनिवार्य करने का कानून बनाया। फिर अर्जेंटीना ने 1914 में और ऑस्ट्रेलिया ने 1924 में ऐसा ही कानून लागू किया। उसके बाद ऑस्ट्रिया, ब्राजील, मिस्र, फिजी, बुल्गारिया, बोलीविया, इटली, ग्रीस, फ्रांस (सिर्फ सीनेट), अमेरिका (कुछ राज्य), मैक्सिको, फिलीपीन, स्विट्जरलैंड, थाईलैंड, स्पेन, तुर्किये, वेनेजुएला, पेरू, पनामा आदि ने भी कानून बनाए। इनमें कुछ देशों ने कानून को आंशिक या पूर्ण रूप से रद्द कर दिया। भारत की स्थिति कुछ भिन्न है। यहां कई बार वोटिंग अनिवार्य करने को लेकर लोकसभा में चर्चा हुई। यही निष्कर्ष निकला कि ऐसा करना व्यावहारिक नहीं होगा। इस संबंध में सबसे पहले चर्चा 1950 में तब शुरू हुई, जब जनप्रतिनिधित्व अधिनियम लागू किया जा रहा था। डॉ. भीमराव आंबेडकर सहित संविधान सभा के कई सदस्यों ने इसे सिरे से नकार दिया। 1990 में दिनेश गोस्वामी कमेटी ने वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के उपायों पर विचार करने के दौरान इसे अनिवार्य किए जाने पर भी गौर किया और अंततः इसे नामंजूर कर दिया। वर्ष 2001 में कंसल्टेशन पेपर ऑफ नेशनल कमीशन रिव्यू द वर्किंग ऑफ द कंस्टीट्यूशन ने इस मुद्दे पर विचार करने के बाद कहा कि वोट नहीं देने पर दंड का प्रावधान रखने से कई जटिलताएं पैदा होंगी। चुनावी खर्च को लेकर गठित तारकुंडे कमेटी ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा कि वोटिंग अनिवार्य करने से मतदाताओं में रोष पैदा होगा और इसके दुरुपयोग की?आशंका रहेगी। बेहतर होगा कि वोटरों को?मतदान के लिए उत्साहित किया जाए। लोकसभा में 2004 , 2009, 2012 एवं 2014 में प्राइवेट बिल पेश किए गए, लेकिन हर बार प्रस्ताव का विरोध हुआ। वर्ष 2009 में इस पर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका पेश की गई, जिसमें मताधिकार का उपयोग नहीं करने वाले के घर की बिजली, पानी आदि काटने और आर्थिक दंड लगाने की मांग की गई। कोर्ट ने इसे बेहद अमानवीय बताकर याचिका खारिज कर दी। देश में चुनावों में अशिक्षित और अल्पशिक्षित मतदाताओं में मतदान को लेकर जितना उत्साह दिखता है, उतना प्रबुद्ध वर्ग में नहीं। प्रबुद्ध वर्ग का एक बड़ा हिस्सा आलस और अरुचि की वजह से घर से नहीं निकलता। वोटिंग लिस्ट में गड़बड़ी होना भी कम मतदान का एक कारण है। चुनाव से पहले मतदाता सूची को ठीक से अपडेट नहीं किया जाता और किया भी जाता है, तो उनमें कई त्रुटियां दिखती हैं। लोगों को शिकायत रहती है कि नाम शामिल करने, संशोधन आदि का फॉर्म बूथ लेवल अफसर (बीएलओ) को समय पर देने के बाद भी कुछ नहीं होता।?यह विडंबना ही कही जाएगी कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में पंजीकृत वोटरों में से 40 प्रतिशत वोट ही नहीं देते।

रूस और चीन की इस दोस्ती में वफा नहीं, सुदृढ है हमारे संबंधों का आधार

इस साल फिर से रूस का राष्ट्रपति चुने जाने के बाद व्लादिमीर पुतिन अपनी पहली विदेश यात्रा पर चीन पहुंचे। आठ महीने में यह उनकी दूसरी चीन यात्रा है। रूस और चीन की इस बढ़ती नजदीकी को देखते हुए क्या भारत को चिंतित या निराश महसूस करना चाहिए? बिल्कुल नहीं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक के लाभ के बराबर दूसरे का नुकसान नहीं होता है।

रूस दुनिया का सबसे बड़ा देश है, जो दो महाद्वीपों-यूरोप और एशिया तक फैला है। एक विशाल पेंडुलम की कल्पना कीजिए। यह एक तरफ झुकता है, तो रूस यूरोप की ओर पश्चिम की तरफ देखता है तथा खुद को यूरोपीय सभ्यता का एक अपरिहार्य हिस्सा मानता है। जब पेंडुलम दूसरी दिशा में झुकता है, तो रूस पूर्व की तरफ देखता है तथा पश्चिमी सभ्यता एवं पश्चिमी मूल्यों की आलोचना करता है। फिर घोषणा करता है कि रूस का भविष्य एशिया में है। व्लादिमीर पुतिन के शासन में रूसी पेंडुलम पूर्व की ओर घूम गया है। सोवियत संघ के विघटन के बाद के दशक में रूस मजबूती से पश्चिम की तरफ झुक गया था, यहां तक कि वह सोचने लगा था कि उसे यूरोपीय संघ और संभवत: नाटो में भी शामिल किया जा सकता है। लेकिन रूस और चीन के बीच बढ़ती नजदीकी के लिए अमेरिकी नेतृत्व में पश्चिमी देश जिम्मेदार हैं। दोनों देशों को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा। दोनों ने महसूस किया कि अकेले?रहकर 80 साल पुरानी पश्चिमी तथाकथित 'नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था' को चुनौती नहीं दी जा सकती है, लेकिन अपनी शक्तियों को मिलाकर और एक-दूसरे से साझेदारी करके वे एक नई 'वास्तविकता आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था' का निर्माण कर सकते हैं। रूस के पास वह सैन्य प्रौद्योगिकी है, जिसे चीन बेसब्री से पाना चाहता था और रूस को चीनी धन की जरूरत थी। फिर दोनों के बीच नजदीकी बढ़ी और रचनात्मक साझेदारी असीमित मित्रता में तब्दील होने लगी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन पुतिन को %हत्यारा तानाशाह% कहते हैं, जबकि चीनी राष्ट्रपति पुतिन के लिए बिल्कुल अलग भाषा का इस्तेमाल करते हैं। वर्ष 2022 में समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन से परे जब दोनों नेता मिले, तो शी जिनपिंग ने पुतिन को %मेरे प्यारे पुराने दोस्त% कहा। व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग के बीच व्यक्तिगत रिश्ते बहुत प्रगाढ़ हैं। आज, चीन रूसी युद्ध मशीन के लिए दोहरे उपयोग वाले महत्वपूर्ण घटकों की आपूर्ति करता है, जिसमें मशीन टूल्स, ड्रोन और सेमीकंडक्टर चिप्स शामिल हैं। जब अमेरिका ने इस पर आपत्ति जताई, तो चीन ने कहा कि हम यूक्रेन संकट में पक्षकार नहीं हैं और चीन तथा रूस के बीच के सामान्य व्यापार में हस्तक्षेप नहीं किया जाना चाहिए। दोनों नेता बहु-ध्रुवीय दुनिया की वकालत करते हैं, जिसमें वे पश्चिम, विशेषकर अमेरिका का प्रतिकार करते हैं। साथ मिलकर, वे ईरान और सीरिया जैसे देशों के लिए एक व्यावहारिक विकल्प पेश कर सकते हैं, जो पश्चिम से ठगा हुआ महसूस करते हैं। ईरान के राष्ट्रपति की रहस्यमय तरीके से हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत ईरान को रूस के करीब ला सकती है। तो क्या पुतिन और शी जिनपिंग हमेशा के लिए अच्छे मित्र बने रहेंगे? बिल्कुल नहीं। सबसे पहले, तो वैश्विक राजनीति में %हमेशा के लिए अच्छे मित्र% दुर्लभ होते हैं। चीनी कम्युनिस्ट नहीं जानते कि लोगों को कैसे प्रभावित किया जाता है और दोस्त बनाए जाते हैं। वे बस दूसरों की निष्ठा का सौदा करना जानते हैं। कई अन्य राष्ट्रों की तरह रूस को भी पता है कि चीन के साथ काम करना दोधारी तलवार पर चलने जैसा है। वर्ष 2015 में इंटरनेट पर एक रूसी फिल्म चाइना-ए डेडली फ्रेंड (चीन-एक घातक मित्र) काफी लोकप्रिय हुई थी, जो रूस के सुदूर पूर्व में चीनी आक्रमण पर केंद्रित थी। कई रूसी मानते हैं कि यह एक भूराजनीतिक टाइम बम है। रूस-चीन दोस्ती में इस बात का बहुत ज्यादा एहसास होता है कि रूस चीन का कनिष्ठ सहयोगी है, जो रूस के लोगों को हजम नहीं हो सकता है। वर्ष 2000 में पुतिन ने लिखा कि 'रूस को हमेशा यूरेशियन देश होने का एहसास होता है, क्योंकि इसका मुख्य हिस्सा एशिया में है। इसलिए एशिया की ओर रुख करने का समय आ गया है।' विजयी पश्चिम द्वारा अपमानित किए जाने के बाद हैरानी नहीं कि 2005 में राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में पुतिन ने कहा था कि 'सोवियत संघ का पतन सदी की सबसे बड़ी भूराजनीतिक तबाही थी।' चीन रूसी सैन्य तकनीक हासिल करने और कम आबादी वाले साइबेरिया में उसकी जमीन को हथियाने की ताक में था। उसने संघर्षरत रूसी अर्थव्यवस्था में अरबों डॉलर का निवेश किया, और रूसी तकनीक से अपनी दूसरी पीढ़ी के हथियारों को उन्नत बनाया। नतीजतन, दोनों के बीच मतलब की दोस्ती हुई। रूस-चीन की मित्रता के चलते शंघाई सहयोग संगठन का गठन हुआ, जिसमें भारत शामिल हुआ। लेकिन रूस-चीन की बढ़ती दोस्ती से क्या भारत की रूस के साथ दोस्ती खतरे में है? क्या हमें रूस के साथ अपने रिश्ते को कमजोर करना चाहिए? बिल्कुल भी नहीं। सोवियत संघ और उसके उत्तराधिकारी फेडरेशन ऑफ रसिया जरूरत के वक्त हमेशा हमारे साथ खड़ा रहा है, चाहे वह कश्मीर पर पश्चिम प्रेरित प्रस्तावों को वीटो करना हो, या 1971 में अमेरिकी सातवें बेड़े को रोकने में मदद करना हो, या 1950-60 के दशक में हमारे स्टील एवं तेल उद्योगों के लिए टेक्नोलॉजी देने की बात हो, या परमाणु-संचालित पनडुब्बियों या परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण सहित हमारी सेना को सर्वोत्तम हथियारों से लैस करना हो। रूस ने कभी हम पर प्रतिबंध नहीं लगाया, लेकिन पश्चिम ने ऐसा किया।यूक्रेन के मुद्दे पर हमारे प्रधानमंत्री द्वारा सार्वजनिक रूप से यह कहने के अलावा कि यह युद्ध का नहीं, शांति का युग है, हमने अमेरिका या उसके ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसे चाटुकारों की तरह रूस को नहीं कोसा। परिपक्व भारत अच्छी तरह से जानता है कि साझेदारी और वफादारी बदल सकती है, इसलिए हमने अमेरिका के साथ अपने रिश्ते में सुधार किया है। वर्ष 2020 के मध्य भारत-चीन सीमा संघर्ष के तुरंत बाद ही रूस भारत को हथियार बेचने पर सहमत हो गया था, और अमेरिकी आपत्तियों के बावजूद भारत को रूसी एस-400 विमान भेदी मिसाइल प्रणाली प्राप्त हुई थी। इसलिए भारत और रूस के रिश्ते निकट भविष्य में खत्म नहीं होने वाले हैं।

बाबा महाकाल का भस्मारती में श्री गणेश शृंगार, दर्शनकर श्रद्धालु दिखे खुश

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में वैसाख शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर बुधवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खोले गए। पंडे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर पंचामृत और फलों के रस से किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट रुद्राक्ष व मुंड माला धारण करवाई गई।आज के शृंगार की विशेष बात यह रही कि आज चतुर्दशी तिथि व बुधवार के संयोग पर भस्मआरती में बाबा महाकाल का श्री गणेश स्वरूप मे शृंगार किया गया। शृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई और भोग भी लगाया गया। महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल के साथ जय श्री गणेश की गूंज से गुंजायमान हो गया।

स्लोवाकिया के चार बार के पीएम, विवादित शख्सियत लेकिन सियासत में उनके कद की अनदेखी करना मुश्किल

प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर हुआ हमला स्लोवाकिया की राजनीति में दिख रहे उस विभाजन का चरम है, जो हर चुनाव, हर राजनीतिक रैली, हर अभियान और हर बयान के बाद गहराता जा रहा है। उन पर भ्रष्टाचार के आरोप बेशक लगते रहे हों, लेकिन देश की राजनीति में उनके कद की अनदेखी करना मुश्किल है। दोपहर के तीन बजे थे और तभी मैंने एक ग्रुप चैट में यह संदेश पढ़ा- %फिको को गोली मार दी।% मैंने खबर की पुष्टि करने की कोशिश की और फिर जो भी जानकारियां मुझे मिलती गई, मैं अपने दोस्तों और परिवार को भेजती रही। परेशानी यह थी कि घटना की जी कर पूरी जानकारी कहीं से मिल नहीं रही थी, जबकि हेडलाइंस पक्के तौर पर घोषणा कर रही थीं कि, %हैंडलोवा में सरकारी बैठक के बाद रॉबर्ट फिको को गोली मार दी गई।इसमें संदेह नहीं कि स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको एक विवादित शख्सियत रहे हैं। लेकिन मुझे भरोसा नहीं हो पा रहा था कि उस दोपहर वाकई उन्हें कई बार गोली मारी गई होगी? अस्पताल में सर्जरी के बाद अगले दो दिन तक उनकी हालत गंभीर, लेकिन स्थिर बनी रही। दरअसल, स्लोवाकिया की राजनीति इस कदर ध्रुवीकृत हो चुकी है कि बयानबाजी तो छोड़िए, आए-दिन हिंसा की खबरें आम हो गई हैं। पत्रकारों, कार्यकर्ताओं और यहां तक कि महिलाओं को भी ऑनलाइन धमकाया जा रहा है। 2016 में ऑफिस से अपने घर जाते वक्त मुझ पर भी हमला किया गया था। 2022 में एक बार के बाहर दो लोगों पर घातक हमला किया गया, जो राजनीति से प्रेरित था। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दो पूर्व मंत्रियों में हाथा-पाई की नौबत आ गई। हालांकि ज्यादातर मामलों में ये नफरतपूर्ण बयानबाजी इंटरनेट तक ही सीमित है और अब तो यह सामान्य बात महसूस होने लगी है। कानून निर्माता, कार्यकर्ता और पत्रकार इसे सार्वजनिक जीवन में भाग लेने की कीमत मानते हैं। हम खुद को आश्वस्त करते रहते हैं कि जो लोग ऑनलाइन धमकी भरे संदेश भेजते हैं, वे असल जिंदगी में अमूमन ऐसा नहीं करते। जाहिर है कि इस माहौल का असर राजनीति पर भी पड़ा है। देश की प्रगतिशील पूर्व राष्ट्रपति जुजाना कैपुतोवा, जो नागरिक अधिकारों की वकील भी हैं, स्पष्ट करती हैं कि उन्हें और उनके परिवार को मिल रही मौत की धमकियों की वजह से ही उन्होंने दोबारा चुनाव न लड़ने का निश्चय किया था। लेकिन अब हालात बद से बदतर हो रहे हैं। अब किसी ने प्रधानमंत्री को गोली मार दी है। पीछे मुड़कर देखें, तो यही लगता है कि नफरती बयानबाजी अनिवार्य रूप से, धीरे-धीरे हिंसा पर उतर आई है और हम इस खतरनाक क्षण में इंतजार कर रहे हैं कि आगे क्या होगा। मुमकिन है कि सरकार की तरफ से कठोर कार्रवाई की जाएगी, और सबकुछ बदतर होता जाएगा। या फिर हम ठंडे दिमाग से उठेंगे, अपने खंडित देश के टुकड़ों को उठाएंगे और उन्हें वापस जोड़ने की कोशिश करेंगे। स्लोवाकिया की राजनीति में फिको के कद की अनदेखी करना मुश्किल है। वह कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य रह चुके हैं और स्मर पार्टी के संस्थापक सदस्य भी रहे हैं, जो अपने शुरुआती दिनों में उदार वामपंथी पार्टी थी। वह 2006 से चार बार देश के प्रधानमंत्री रहे हैं। मुख्यधारा की मीडिया के साथ उनके संबंध पिछले काफी समय से खराब होने लगे थे। उन पर लगातार भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं और 2016 में तो उनके भ्रष्टाचार का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों ने उनके और उनके उपप्रधानमंत्री के इस्तीफे की नाकामयाब मांग भी की। लेकिन 2018 में जब पत्रकार जान कुसिएक और उनकी मंगेतर की उनके अपार्टमेंट में उस वक्त गोली मार कर हत्या कर दी गई, जब वह राजनीतिक भ्रष्टाचार के एक मामले की तफ्तीश कर रहे थे, तो इस घटना ने स्लोवाकिया की राजनीति को विभाजित कर दिया। तब उनके खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारी उन्हें पद से हटाने की मांग कर रहे थे, और उस वक्त वे कामयाब भी हो गए थे। इसके बाद जनता मोटे तौर पर दो खेमों में बंटी रही। एक फिको के पक्ष में और दूसरे विपक्ष में। जो फिको के समर्थन में से ही उन्होंने दोबारा चुनाव न लड़ने का निश्चय किया था। लेकिन अब हालात बद से बदतर हो रहे हैं। अब किसी ने प्रधानमंत्री को गोली मार दी है। पीछे मुड़कर देखें, तो यही लगता है कि नफरती बयानबाजी अनिवार्य रूप से, धीरे-धीरे हिंसा पर उतर आई है और हम इस खतरनाक क्षण में इंतजार कर रहे हैं कि आगे क्या होगा। मुमकिन है कि सरकार की तरफ से कठोर कार्रवाई की जाएगी, और सबकुछ बदतर होता जाएगा। या फिर हम ठंडे दिमाग से उठेंगे, अपने खंडित देश के टुकड़ों को उठाएंगे और उन्हें वापस जोड़ने की कोशिश करेंगे।

स्लोवाकिया की राजनीति में फिको के कद की अनदेखी करना मुश्किल है। वह कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य रह चुके हैं और स्मर पार्टी के संस्थापक सदस्य भी रहे हैं, जो अपने शुरुआती दिनों में उदार वामपंथी पार्टी थी। वह 2006 से चार बार देश के प्रधानमंत्री रहे हैं। मुख्यधारा की मीडिया के साथ उनके संबंध पिछले काफी समय से खराब होने लगे थे। उन पर लगातार भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं और 2016 में तो उनके भ्रष्टाचार का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों ने उनके और उनके उपप्रधानमंत्री के इस्तीफे की नाकामयाब मांग भी की। लेकिन 2018 में जब पत्रकार जान कुसिएक और उनकी मंगेतर की उनके अपार्टमेंट में उस वक्त गोली मार कर हत्या कर दी गई, जब वह राजनीतिक भ्रष्टाचार के एक मामले की तफ्तीश कर रहे थे, तो इस घटना ने स्लोवाकिया की राजनीति को विभाजित कर दिया। तब उनके खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारी उन्हें पद से हटाने की मांग कर रहे थे, और उस वक्त वे कामयाब भी हो गए थे। इसके बाद जनता मोटे तौर पर दो खेमों में बंटी रही। एक फिको के पक्ष में और दूसरे विपक्ष में। जो फिको के समर्थन में थे, वे कामकाजी वर्ग के और राष्ट्रवादी थे और जो उनके विरोध में थे, वे ज्यादातर उदारवादी अभिजात्य वर्ग से थे। जब फिको ने पिछली बार वापसी का प्रयास किया, तब उन्होंने दक्षिणपंथी विचारों का ही सहारा लिया था। हालांकि उनकी पार्टी अभी भी सोशल डेमोक्रेट के रूप में खुद को पेश करती है, और उन्होंने आसानी से जीत भी हासिल कर ली थी। लेकिन पिछले कुछ महीनों से देश का राजनीतिक माहौल एक बार फिर बेहद तनावपूर्ण हो गया है। फिको के पद संभालने के बाद से उनके गठबंधन ने सरकारी प्रसारक को बदलने की विवादास्पद कोशिशें कीं और यूरोपीय संघ की चेतावनियों और विरोध के बावजूद भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी संस्था को नष्ट कर दिया। अप्रैल में राष्ट्रपति चुनाव में, जिसमें कैपुतोवा ने हिस्सा नहीं लिया था, फिको के सहयोगी पीटर पेलेग्रिनी ने जीत हासिल की। वहां से देश सीधे यूरोपीय संघ के चुनाव के प्रचार अभियान में शामिल हो गया। स्लोवाकिया की राजनीति में विभाजन दरअसल हर चुनाव, हर राजनीतिक रैली, हर अभियान और बयान के बाद गहराता जा रहा है। दुर्भाग्यवश यह नीति व मुद्दों के बारे में कम और अच्छाई व बुराई के बीच की चमत्कारिक लड़ाई के बारे में अधिक होता जा रहा है। इसमें कोई भी पक्ष कम नहीं है। पिछले वर्ष फिको के विरोधियों ने आरोप लगाया कि वे देश को माफिया के हवाले कर देंगे। कैपुतोवा ने भी फिको पर मुकदमा दायर कर दिया, क्योंकि उन्होंने कैपुतोवा को अमेरिका के हाथों की कठपुतली और जॉर्ज सोरोस समर्थक बताया था। लेकिन फिको के साथ ये जो घटना हुई, उससे पहले तक हम इन आरोपों-प्रत्यारोपों को सामान्य मानने लगे थे। फिको पर हमले के कुछ घंटे बाद वीडियो फुटेज सामने आए और हमलावर की ऑनलाइन गतिविधियों की जांच की गई। अब हर कोई इस हमले को राजनीतिक बता रहा है। एक वर्ग संदिग्ध व्यक्ति को एक प्रगतिशील उदारवादी बता रहा है। हालांकि वास्तविक उद्देश्य अभी अस्पष्ट हैं। सरकार में शामिल एक मंत्री का कहना है कि इस हमले का उद्देश्य राजनीतिक था, हालांकि संदिग्ध व्यक्ति किसी कट्टरपंथी समुदाय से जुड़ा हो, इसके पुख्ता प्रमाण नहीं मिलते। संदिग्ध व्यक्ति की पहचान जुराज सी के नाम से की गई है। हमले के बाद एक नेता ने पत्रकारों पर, तो स्मर के उपाध्यक्ष ने विपक्षी सांसदों पर आरोप लगाए। शुक्र है कि कई आवाजों ने एकता को बनाए रखने और नफरत के माहौल को बढ़ावा न देने की अपील की। इससे शायद हम यह समझ पाएं कि जब हम सार्वजनिक जीवन में अच्छाई बनाम बुराई की बात करते हैं, तो यह समझना भी हमारी जिम्मेदारी होती है कि कोई न कोई, कहीं न कहीं, हमारी बात पर यकीन पर कर रहा होता है। राजनीति अच्छाई और बुराई की लड़ाई नहीं होती।

पांच साल से बन रही 'रामायण' बंद होने की कगार पर, रणबीर के नाम पर भी अब तक नहीं मिले निवेशक

अल्लू मंटेना मीडिया वेंचर्स एलएलपी की 'प्रोजेक्ट रामायण' नाम से शुरू हुई कोशिशों पर बन रही फिल्म 'रामायण' पर संकट के बादल गहरा गए हैं। 'अमर उजाला डॉट कॉम' की इस बारे में बीते हफ्ते की गई तफ्तीश के बाद पूरे मुंबई में कहीं इस फिल्म की शूटिंग को लेकर किसी भी स्टूडियो में कोई हलचल बीते तीन दिन से पता नहीं चली है। सूत्र बताते हैं कि फिल्म पर सारा काम रुक गया है और आशंका ये भी जताई जा रही है कि ये फिल्म अब बंद भी हो सकती है।

निर्माता मधु मंटेना ने नितेश तिवारी के साथ मिलकर फिल्म 'रामायण' पर साल 2019 में काम शुरू किया था। तब ये फिल्म तीन हिस्सों में बननी थी, पार्ट वन का काम तभी शुरू हो गया था लेकिन फिल्म के लिए निवेशक न मिलने के चलते ये फिल्म अब तक आधिकारिक रूप से शुरू नहीं हो सकी है। फिर बीते दिन खबर आई कि अब ये फिल्म दो पार्ट में बनेगी। फिल्म का सारा कारोबार इन दिनों प्राइम फोकस और उनके साथ फिल्म से निर्माता के तौर पर जुडे अभिनेता यश संभाल रहे हैं।

इस बीच मधु मंटेना ने फिल्म को लेकर मची भगदड़ के बीच इसके मौजूदा निर्माताओं को सुझाव दिया है कि किसी कानूनी विवाद से बचने और रिश्तों के और खराब होने से बेहतर रहेगा फिल्म की शूटिंग, अगर चल रही हो तो, उसे बंद कर देना। इसके बाद 'अमर उजाला' ने फिल्म सिटी से लेकर मुंबई के तमाम बड़े शहरों और मैदानों का जायजा लिया, जहां 'रामायण' की शूटिंग की संभावना हो सकती थी, लेकिन 'अमर उजाला' को जानकारी मिली है कि इस फिल्म की शूटिंग मुंबई के किसी भी स्टूडियो में इस समय नहीं चल रही है।

गौरतलब है कि बीते कई महीनों से फिल्म 'रामायण' के लुक टेस्ट के लिए खींची गई तस्वीरों और वीडियो को फिल्म की शूटिंग शुरू होने के नाम पर खूब प्रचारित किया गया। इरादा यही रहा कि इस हलचल से देशी विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया। लेकिन इस फिल्म के लिए अब तक किसी बड़े स्टूडियो या विदेशी निवेशक ने रुचि नहीं दिखाई है।

फिल्म 'रामायण' का बजट 100 मिलियन यानी 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर बताया जा रहा है। फिल्म को रिलीज करने के लिए प्राइम फोकस ने कुछ विदेशी कंपनियों से भी बात की है लेकिन फिल्म का अपनी मूल भाषा में चलना उतना ही ज्यादा जरूरी है जितना कि इसकी रकम निकालने के लिए इसका विदेश में चलना। फिल्म के लिए निवेशक न मिलने के चलते ही अब तक इसके कलाकारों और तकनीशियनों के नामों की आधिकारिक घोषणा तक नहीं हो पाई है। फिल्म में पहले रावण की भूमिका के लिए जिन कन्नड़ अभिनेता यश से बात की गई, वह अब फिल्म के सह निर्माता तो बन चुके हैं, लेकिन फिल्म में रावण की भूमिका निभाने के लिए उन्होंने असमर्थता जता दी है।

कोलकाता और हैदराबाद के मैच के बाद शाहरुख खान से मैदान पर हो गई गलती, हाथ जोड़कर मांगी माफी

मंगलवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच हुए आईपीएल मुकाबले में शाहरुख खान की टीम केकेआर ने शानदार जीत हासिल की। यह आईपीएल के मौजूदा सीजन का पहला क्वालिफायर मैच था, जिसे जीतने के साथ ही कोलकाता की टीम फाइनल में पहुंच गई है। इस बड़े मैच को देखने के लिए शाहरुख खान के साथ उनके बच्चे सुहाना और अबराम भी आए थे। मैच खत्म होने के बाद एक ऐसी घटना हुई, जिसे लेकर किंग खान ने माफी भी मांगी।

कब हुई घटना

जैसा कि हम जानते हैं कि हर एक मैच के खत्म होने के बाद उस पर बातचीत होती है। लाइव शो में मुकाबले की समीक्षा होती है, खिलाड़ियों से बात की जाती है और मैच के अलग-अलग पहलुओं पर विशेषज्ञों द्वारा अपने विचार रखे जाते हैं। केकेआर और एचआरएच के मैच के बाद भी लाइव शो जारी था, जिसकी शूटिंग मैदान में चल रही थी। इसमें आकाश चोपड़ा, पार्थिव पटेल और सुरेश रैना बातचीत कर रहे थे। यह वही समय था, जब शाहरुख से अनजाने में गलती हो गई थी।

शाहरुख ने हाथ जोड़कर मांगी माफी

दरअसल, जब आकाश चोपड़ा, पार्थिव पटेल और सुरेश रैना लाइव बातचीत कर रहे थे तो शाहरुख खान दर्शकों की ओर हाथ हिलाते हुए गलती से उनके बीच में पहुंच गए। वो कैमरे के फ्रेम के बीच में आ गए थे। जल्द ही शाहरुख को इसका पता चल गया, जिसके बाद पहले तो वो हल्के से मुस्कुरा पड़े और फिर हाथ जोड़कर माफी मांगते हुए दिखाई दिए।

हंस पड़े सभी लोग

इस वाकये को देखकर सुहाना और वहां मौजूद बाकी लोग भी अपने आप को हंसने से रोक नहीं पाए। शाहरुख खान ने आकाश चोपड़ा, पार्थिव पटेल और सुरेश रैना को गले भी लगाया।

ओटीटी पर देखिए फिल्म मैदान, जानें कब और कहां देख सकते हैं अजय देवगन की फिल्म

अजय देवगन अभिनीत फिल्म मैदान फुटबॉल से भारतीय इतिहास बदलने वाले कोच सैयद अब्दुल रहीम की सची कहानी पर आधारित है। इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में अजय ने बेहदतीन अदाकारी से सभी दर्शकों का दिल फिर से एक बार जीत लिया है। यह सैयद अब्दुल रहीम पर आधारित एक बायोपिक फिल्म है। इस फिल्म को अमित शर्मा ने निर्देशित किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म मैदान ने भारत में लगभग 50 करोड़ की कमाई की थी। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास रंग नहीं जमा पाई, लेकिन फिल्म में अजय का दमदार अभिनय फैंस को बेहद पसंद आया। जिन्होंने भी अभी तक यह फिल्म नहीं देखी हो, वह इस फिल्म को अब ओटीटी पर देख सकते हैं।

कब और कहां देख सकेंगे फिल्म

ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज अजय देवगन की फिल्म मैदान के निर्देशन से लेकर अभिनेताओं का अभिनय भी दमदार रहा, फिर भी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना रंग नहीं जमा पाई। मैदान अंग्रेजी उपशीर्षक के साथ हिंदी ऑडियो में प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। लेकिन अफसोस कि अभी आप इस फिल्म को फ्री में नहीं देख पाएंगे। इस फिल्म को देखने के लिए आपको 349 रुपये चुकाने होंगे। अगर आप अजय देवगन की इस फिल्म को देखने के लिए थोड़ा और इंतजार कर सकते हैं तो आप इस फिल्म को दो हफ्ते बाद फ्री में देख पाएंगे। फिल्म मैदान में अजय देवगन की पत्नी का किरदार अभिनेत्री प्रियामणि ने निभाया था। फिल्म में अजय और प्रियामणि के अलावा गजराज राव और रुद्रनील घोष ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं। इस बायोपिक का निर्माण बोनी कपूर ने जी स्टूडियोज के साथ मिलकर किया था। फिल्म में संगीत का पूरा श्रेय ऑस्कर विजेता एआर रहमान को जाता है।

विवेक ओबेरॉय का टूटा हुआ पैर देखकर मणिरत्नम को आ गया था हार्ट अटैक

लहूलुहान हालत में पहुंचे थे अस्पताल

मणिरत्नम की 'युवा' को रिलीज हुए लगभग 20 साल हो गए। फिल्म अपनी कहानी और संगीत के लिए आज भी जानी जाती है। इस फिल्म में अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी, एशा देओल, विवेक ओबेरॉय और करीना कपूर खान मुख्य भूमिका में थे। अब अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने फिल्म से जुड़ा एक किस्सा साझा किया है। उन्होंने अपने साथ हुई एक भयानक दुर्घटना के बारे में एक साक्षात्कार के दौरान खुलासा किया।

तीन हिस्सों में टूटा था विवेक का पैर

साक्षात्कार के दौरान अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने 'युवा' की शूटिंग के दौरान का एक किस्सा साझा किया। उन्होंने कहा, 'एक अच्छा-खासा दिन दर्द में बदल गया। मोटरसाइकिल एक्सीडेंट में मेरा पैर तीन हिस्सों से टूट गया था। मेर बड़े भाई अजय देवगन और मेरे दोस्त अभिषेक बच्चन मुझे टूटी हुई हड्डियों और खून से लथपथ हालत में अस्पताल ले गए।'

मणिरत्नम को आ गया था हार्ट अटैक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता ने साक्षात्कार के दौरान खुलासा किया कि उनका एक्सीडेंट देखकर मणिरत्नम को हार्ट अटैक आ गया था। अभिनेता ने आगे कहा, 'इससे भी बुरा अभी होने वाला था। मुझे पता चला कि मेरा एक्सीडेंट देखने के बाद मणि अन्ना को दिल का दौरा पड़ा था। मैं जब अस्पताल में था तब अजय और अभिषेक मेरे साथ ही थे।' विवेक ने आगे कहा कि उन्हें ठीक होने में चार महीने लग गए थे।

अस्पताल से वापस आने के बाद शूटिंग की पूरी

अस्पताल से ठीक होकर वापस आने के बाद विवेक ने 'फना' और 'अनजाना अनजानी' गाने की शूटिंग पूरी की। वहीं, अभिषेक बच्चन को फिल्म में अपनी भूमिका के लिए काफी सराहना मिली थी। रानी मुखर्जी के साथ उनकी केमेस्ट्री को काफी पसंद किया गया था।

चंकी ने दी थी ट्रेनिंग, लेकिन अक्षय कुमार ने कहा था- उन्होंने इतना गलत सिखाया, फिल्में पिट गईं

बॉलीवुड कलाकारों की दोस्ती अक्सर चर्चा में रहती हैं। अलग-अलग मौकों पर कई सितारों से दोस्ती के किस्से सुनने को मिलते रहते हैं। इसी सिलसिले में अब अभिनेता चंकी पांडे ने भी अक्षय कुमार से अपनी दोस्ती को लेकर बातचीत की है। इस बातचीत में कई दिलचस्प बातें सुनने को मिली। मालूम हो कि दोनों साथ में कई कॉमेडी फिल्मों में काम कर चुके हैं। इनमें हाउसफुल फ्रेंचाइजी की फिल्मों के अलावा दे दना दन भी शामिल हैं।

चंकी ने दी थी अक्षय को ट्रेनिंग

हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में चंकी पांडे ने बताया कि वो और अक्षय कुमार साल 1986 से एक-दूसरे के दोस्त हैं। दोनों मधुमती एकेडमी ऑफ फिल्म डांसिंग में मिले थे। चंकी पांडे ने बताया कि जब वो मधुमती में पढ़ा करते थे तो सीनियर छात्र अपने जूनियरों को ट्रेनिंग दिया करते थे। चंकी वहां अक्षय के सीनियर थे। इसलिए उन्होंने भी अपने जूनियर अक्षय कुमार को कई सारी चीजें सिखाई थी।

चंकी का सिखाया गलत था, मुझे भुलाना पड़ा- अक्षय कुमार

एक मजेदार बात यह है कि अक्षय कुमार ने अपने एक पुराने साक्षात्कार में चंकी पांडे से सीखी हुई चीजों पर बात की थी। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा था कि मैंने अपने करियर के शुरू में जो भी सीखा था, चंकी पांडे से सीखा था। अक्षय ने आगे कहा कि चंकी का सिखाया हुआ इतना गलत था कि उनकी फिल्में चल ही नहीं पाईं और इसलिए उन्होंने चंकी सीखी सारी चीजों को भुलाने का फैसला लिया। फिर उन्होंने कुछ नया सीखा, जिसके बाद वो अक्षय कुमार बन गए।

चंकी ने की अक्षय की तारीफ

अपने साक्षात्कार में चंकी पांडे ने अक्षय कुमार के काम की तारीफ करते हुए कहा कि जब उन्होंने पहली दफा अक्षय कुमार को देखा था तो वो जान गए थे कि अक्षय एक बचे के तौर पर भी स्टार थे। चंकी ने आगे कहा कि अब उनकी बेटी अनन्या पांडे भी अक्षय कुमार के साथ एक फिल्म में काम कर रही हैं। अक्षय का सेट पर होना खुशी की बात है। मालूम हो कि अक्षय और अनन्या सी शंकरन नायर के जीवन पर आधारित फिल्म में दिखाई देंगे।

200 घोड़ों के साथ शूट होगा 'वेलकम टू द जंगल' का एक्शन सीक्वेंस! जल्द शुरू होगी शूटिंग

'वेलकम' की फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त 'वेलकम टू द जंगल' अपनी शूटिंग को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। बॉलीवुड के कई दिग्गज अभिनेता फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, परेश रावल, संजय दत्त, अरशद वारसी, लारा दत्ता, श्रेयस तलपड़े, रवीना टंडन और अन्य लोग शामिल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की पहली शेड्यूल की शूटिंग पूरी हो चुकी है। वहीं, एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म के एक गाने को फिल्माने के लिए 500 बैकग्राउंड डांसर शामिल किए गए हैं।

एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के लिए लाए गए 200 घोड़े!

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के लिए 200 घोड़े बुलाए गए हैं। कहा जा रहा है कि यह बहुत ही भव्य एक्शन सीक्वेंस होने वाला है। इस एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग मुंबई में ही होगी। इसके लिए सेट भी तैयार कर लिया गया है और मुंबई, महाबलेश्वर और लोनावाला से घोड़े मंगाए जा रहे हैं।

पहले शेड्यूल की शूटिंग हुई पूरी

रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी हो चुकी है। इसे पूरा होने में लगभग 40 दिन लग गए। पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी होने के बाद कास्ट और क्रू जल्दी ही दूसरे शेड्यूल की शूटिंग शुरू करने वाले हैं।

संजय दत्त ने छोड़ दी फिल्म!

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता संजय दत्त ने 15 दिन की शूटिंग करने के बाद फिल्म छोड़ दी है। बताया जा रहा है कि स्क्रिप्ट और फिल्म के शेड्यूल के चलते अभिनेता ने ये कदम उठाया है। कहा जा रहा है कि अभिनेता फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और उसके एक हिस्से की शूटिंग भी पूरी कर ली है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से इसे लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

धीमी चाल चल रही राजकुमार की श्रीकांत, जानें कैसा है हॉलीवुड के लंगूरों का हाल

बॉक्स ऑफिस की हालत इन दिनों खस्ता चल रही है। बीते महीने से लगभग सभी फिल्मों का बुरा हाल है। कोई अछी फिल्म भी बॉक्स ऑफिस की मुस्कुराहट फिर से वापस ला सकती है। इन दिनों सिनेमाघरों में हॉलीवुड फिल्म किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स और अभिनेता राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत लगी हुई है। इन दोनों फिल्मों की कमाई भी अब बहुत कम हो रही है। किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स ने शुरुआत में अछा प्रदर्शन किया था। मगर अब फिल्म की रफ्तार धीमी हो गई है। वहीं, राजकुमार की श्रीकांत शुरुआत से ही धीमी चाल चल रही है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि मंगलवार को इन फिल्मों का कैसा हाल रहा...

राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत से दर्शकों को काफी उम्मीदें थी। मगर फिल्म की कमाई प्रशंसकों को निराश कर रही है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की हालत को देखकर ऐसा लगता है कि यह फिल्म जल्द ही अपना बोरिया-बिस्तर समेट लेगी। 40 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म राजकुमार ने श्रीकांत बोला का किरदार निभाया है।

श्रीकांत ने वीकएंड पर अछी कमाई की थी। हालांकि वीकडेज पर फिर से फिल्म का वही हो गया है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 12वें दिन इस फिल्म ने 1.20 करोड़ की कमाई की है। इसी के साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब 28.80 करोड़ रुपये हो गई है। किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स हॉलीवुड फिल्म किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स भी भारतीय सिनेमाघरों में लगी हुई है। फिल्म को दर्शकों की तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। पहले दिन से ये फिल्म अछी कमाई कर रही है। मगर अब इस फिल्म की कमाई भी लाखों में सिमट के रह गई है। भारत में किंगडम ऑफ द प्लैनेट ऑफ द एप्स को डिनी इंडिया ने रिलीज किया है।

भारतीय दर्शकों को भी ये हॉलीवुड फिल्म काफी पसंद आ रही है। इस फिल्म की रिलीज के बाद से बॉलीवुड के लंगूर बॉक्स ऑफिस पर राज कर रहे। कमाई की बात करें तो मंगलवार यानी कि 12वें दिन फिल्म ने महज 52 लाख रुपये का कारोबार किया है। इसी के साथ ही फिल्म का टोटल कलेक्शन अब 24.24 करोड़ रुपये हो गया है।

पन्ना, अमानगंज के सीरी में ग्रामीणों ने सरपंच और सचिव पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

सैकड़ों की संख्या में पहुंचकर कलेक्टर से की शिकायत, सरकारी पैसों का हो रहा दुरूपयोग

रामनरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ पन्ना, अमानगंज तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सिरी, सरपंच व सचिव पर पंचायत के कार्यो में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार करने का मामला आया है लाखों रुपए के काम सिर्फ कागजों में बताए गए हैं,ग्रामीण संपूर्ण दस्तावेज सहित प्रमाणों के जिला कलेक्टर एवं जिला सीईओ से शिकायत कर कार्यवाही करने की मांग की है, ग्राम पंचायत श्री में सामुदायिक वृक्षारोपण एवं सामुदायिक खेत तालाब निर्माण कार्य सहित प्रधानमंत्री आवास निर्माण में सरपंच सचिव व रोजगार सहायक एवं गांव के बाहर का चेंतुआ दबंग द्वारा भारी भ्रष्टाचार एवं अनियमितताएं कर शासकीय राशि का बंदरबांट कर राशि का दुरुपयोग करने का मामला प्रकाश में आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सरपंच सचिव और रोजगार सहायक की मिली भगत से पिछले 5 वर्षो से ग्राम पंचायत अंतर्गत कई निर्माण कार्य एवं विकास कार्य जिसमें सामुदायिक खेत तालाब, वृक्षारोपण सहित प्रधानमंत्री आवास जैसी शासकीय योजनाओं में भारी भ्रष्टाचार देखने को मिल रहा है। इन लोगों के द्वारा फर्जी मास्टर तैयार कर निर्माण एवं विकास कार्यों की राशि का गबन कर लिया गया है जबकि मौके पर एक भी निर्माण कार्य नहीं कराया गया। ग्राम पंचायत सिरी में सामुदायिक वृक्षारोपण कार्य गंगू के घर के पास जिसका वर्क कोड 2201 20 34 538784 राशि 142434 रुपए समुदायिक खेत तालाब निर्माण कार्य रामपुर सिरी रोड नाला निर्माण के पास में स्वीकृत किया गया था जिसका वर्क कोड 22012034507265 राशि 232032 रुपए, सामुदायिक खेत तालाब निर्माण कार्य देवराजी के पास सिरी में स्वीकृत किया गया था जिसका वर्क कोड 22012 034 688646 राशि 217 754 रुपए, समुदायिक तालाब निर्माण कार्य गर्ल्स हाई स्कूल के पास सिरी में स्वीकृत किया गया था जिसका वर्क कोड 220120 34 48 9288 है, खेत तालाब निर्माण कार्य राजेंद्र सिंह के खेत के पास सिरी में स्वीकृत किया गया था जिसका वर्क कोड 2201120 3468 8614 है समुदायिक तालाब निर्माण कार्य राजेन्द्र सिंह के खेत के पास सिरी में स्वीकृत किया गया था जिसका वर्क कोड 22011 2034 68 8614 है। साथ ही वर्ष 2021-22 में ग्रेवियन स्ट्रक्चर के नाम पर 15 स्थान पर कार्य के नाम से राशि आहरित की गई है जबकि मौके पर कोई भी कार्य नहीं कराया गया है। गौशाला के पास चारागाह जिसका वर्क कोड 220120 3485 8408 में 1170 000 रुपए आहरण किया गया जबकि मौके पर एक भी काम नहीं कराया गया ह जिस समय चारागाह विकास के नाम से राशि आहरण की गई थी उस समय गौशाला संचालित थी या नहीं इसकी मौके पर जांच कराई जा सकती है इन लोगों के द्वारा गौ माता के नाम पर राशि आहरण कर भ्रष्टाचार किया गया है इनके द्वारा कितने पशुओं को कितना चारा खिलाया गया वर्ष 2021-22 में परपुलेसन टैंक निर्माण कार्य गौशाला के पास सिरी में जिसका वर्क कोड 220120 34 918760 है जिसमें राशि 333 000 सामुदायिक खेत तालाब निर्माण कार्य नारायणपुर के पास वर्ष 2022-23 में स्वीकृत हुआ था जिसका वर्क कोड 220120 4966 398 है इसकी राशि लगभग 300000 सामुदायिक खेत तालाब कार्य वेद प्रकाश अवस्थी जिसका वर्क कोड 22012034 9740 59 है जिसकी राशि 8563 आहरण करने के बाद भी कार्य नहीं कराया गया है।

प्रधानमंत्री आवास में किया गया भ्रष्टाचार: ग्राम पंचायत सिरी में प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्य में सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक द्वारा भारी भ्रष्टाचार एवं अनियमितताएं की गई है हितग्राही प्रियंका की पीएम आवास आईडी एमपी 5211 245 है जिसके नाम से ग्राम पंचायत से आवास स्वीकृत किया गया किंतु भ्रष्टाचार कर मीना सिंह राजपूत के खाता क्रमांक 5529 81000 10986 बैंक ऑफ़ बड़ौदा में उक्त योजना की राशि 115000 हितग्राही गोपाल सिंह पिता सरदार सिंह की पीएम आवास आईडी एमपी 50 30 913 है जिसके नाम से ग्राम पंचायत से आवास स्वीकृत किया गया किंतु भ्रष्टाचार कर रामगोपाल कुशवाहा के खाता क्रमांक 5529 81000 14602 बैंक ऑफ़ बड़ौदा में उक्त योजना की राशि 115000 हितग्राही गुलाब की पीएम आवास आईडी एमपी 1598 616 है जिसके नाम से ग्राम पंचायत से आवास स्वीकृत किया गया किंतु भ्रष्टाचार का मध्यांचल बैंक के खाता में उक्त योजना की राशि 115000 हितग्राही संजू लाल आदिवासी की पीएम आवास आईडी एमपी 2579 341 है जिसके नाम से ग्राम पंचायत से आवास स्वीकृत किया गया किंतु भ्रष्टाचार का संजू सिंह राजपूत के खाता क्रमांक 5529 81 0000 6455 बैंक ऑफ़ बड़ौदा में उक्त योजना की राशि 115000 हितग्राही भगवान दास की पीएम आवास आईडी एमपी 2565 095 है इसके नाम से ग्राम पंचायत से आवास स्वीकृत किया गया किंतु भ्रष्टाचार कर ग्राम के किसी अन्य भगवान दास के नाम पर संचालित खाता क्रमांक 55 29 81000 15933 बैंक ऑफ़ बड़ौदा में उक्त योजना की राशि 115000 रुपए डालकर आहरित कर ली गई है.

वर्तमान सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक द्वारा किए गए भ्रष्टाचार : इसी प्रकार भ्रष्टाचार का वर्तमान सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक द्वारा भी किया जा रहा है वर्ष 2023-24 में ग्राम पंचायत सिरी में समुदायिक तालाब निर्माण कार्य मुक्तिधाम के पास सिरी में श्वीकृत किया गया था जिसका वर्क कोड क्रमांक 220 120 3510 4805 एवं कुल 33 मस्टर लगाकर कुल राशि 342 550 रुपए पर परपुलेशन टैंक निर्माण कार्य गौशाला के पास सिरी में जिसका वर्क कोड 220120 3491 8760 है जिसमें कुल 16 मस्टर लगाकर राशि 309 689 रुपए चेक डैम निर्माण खेरे के पास पाठा सिरी में स्वीकृत किया गया था जिसका वर्क कोड 220120 34 82 2731 है जिसमें फर्जी तरीके से 43 मस्टर तैयार कर सरपंच सचिव व रोजगार सहायक द्वारा राशि 396 858 रुपए आहरित कर ली गई है जबकि मौके पर एक भी निर्माण कार्य नहीं है इनके द्वारा शासकीय राशि का दुरुपयोग किया गया है एवं निरंतर अभी भी कर रहे हैं ग्राम पंचायत सिरी के समस्त पंच एवं भारी संख्या में ग्रामवासियों से जिला कलेक्टर महोदय पन्ना एवं सीईओ पन्ना के समक्ष उपस्थित होकर उपरोक्त भ्रष्टाचार की विधिवत जांच करवाकर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करने की मांग समाचार पत्र के माध्यम से की गई है।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

दूरसंचार क्रांति का बताया जनक

कटनी, देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आज कांग्रेस द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन विश्राम बाबा स्थित उर्वशी रेस्टोरेंट पर कार्यवाहक अध्यक्ष राजा जगवानी व महिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनी वर्मा के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान स्वर्गीय राजीव गांधी की तस्वीर पर पुष्पमाला अर्पित की गई और उन्हें याद करते हुए उनके द्वारा किए गए कार्यों पर चर्चा की।

कटनी में पकड़ाय अवैध परिवहन करते दो ट्रक

कृषि उपज मंडी की फलाइंग स्कर्ट टीम की कार्यवाई

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले की कृषि उपज मंडी की फलाइंग स्कर्ट टीम ने अवैध परिवहन करते दो ट्रक को पकड़ा है। यह दोनो ट्रक आधी सूचित कृषि उपज मंडी के तहत पकड़ी गई है। जिसमे से एक ट्रक में लहसुन और दूसरे में मक्का लोड था ये दोनो ट्रक दो व्यापारियों के पास जा रही थे और दोनों व्यापारियों के पास लाइसेंस नहीं है और ट्रक चालक से संबंधित माल के दस्तावेज मांगे गए तो उनके पास कोई भी दस्तावेज न मिलने पर इन्हें पकड़ कर कृषि उपज मंडी लाया गया दोनों से चलन जमा कराया गया। कृषि उपज मंडी के मंडी सचिव कमाता चौधरी ने बताया की इस तरह की कई कार्यवाही मंडी के फलाइंग स्कर्ट के कर्मी करते आ रहे है और इसी तारतंब में में दो ट्रक को पकड़ा गया है जिसमे से एक ट्रक में लहसुन और दूसरे में मक्का लोड था लहसुन का ट्रक उत्तर प्रदेश से शहडोल जा रहा था और दूसरा ट्रक जिसमे मक्का है वह बिहार से सिहोरा के बजाज पोल्ट्री फार्म जा रही थी और दोनो ही व्यापारियों के पास कोई भी लायसेंस नही है और न कोई टैक्स रशीद मिली है जिसके चलते दोनो ट्रक को मंडी में खड़ा करा चलानी कार्यवाही की गई जिसमे से मक्का से लोड ट्रक से 45 हजार रूपए करीब वसूला गया वही लहसुन से लोड ट्रक से 28 हज़ार करीब की वसूली कर दोनो को रशीद प्रदान की गई है।

अध्यापक ने मारा डंडा छात्र की आंख से निकलने लगा खून

पीजीआई चंडीगढ़ में हुआ ऑपरेशन, छात्र के पिता ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

नकुड़ । सहारनपुर, अध्यापक के डंडा मारने से एक छात्र की आंख से खून निकलने लगा। उसका पीजीआई चंडीगढ़ में एक ऑपरेशन हुआ है। छात्र के पिता ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। गांव खेड़ा अफगान निवासी अनुज ने बताया कि उनका 17 वर्षीय बेटा शगुन अंबेहटा पीर के एक विद्यालय में 12 वीं कक्षा में पढ़ता है। आरोप है कि 16 मई को शगुन विद्यालय के अध्यापक द्वारा पूछे गए प्रश्न का जवाब नहीं दे पाया तो अध्यापक ने डंडे से उसकी पिटाई कर दी। एक डंडा शगुन की आंख में लग गया। इससे उसकी आंख से खून बहने लगा। स्कूल प्रबंधन व अध्यापक ने उसके पुत्र का इलाज कराने की बजाय घर भेज दिया। छात्र को सहारनपुर के नेत्र चिकित्सक को दिखाया, जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। छात्र की आंख का चंडीगढ़ पीजीआई में एक ऑपरेशन हुआ है। वहीं अजित सिंह सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार वत्स का कहना है कि कुछ बच्चे आपस में शरारत कर रहे थे। इसी दौरान किसी का नाखून छात्र की आंख में लग गई। जिस शिक्षक पर आरोप है कि वह बीच-बचाव करने गए थे। आरोप गलत है।

संपन्न हुई सहारनपुर जिला योगासन स्पर्धा, देव, पीहू, देवांशी, अभिषेक, वंशिका, जीविका रहे अव्वल

योग से मिलती है जीवन ऊर्जा : महापौर डा. अजय कुमार सिंह

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, बेरीबाग स्थित योग आधारित इंग्लिश मीडियम स्कूल नेशन बिल्डर्स एकेडमी में विविध वर्गों में चली जिला योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में देव, पीहू, देवांशी, अभिषेक, वंशिका और जीविका अपने अपने वर्गों में अव्वल रहकर स्वर्ण पदक प्राप्त किए। मुख्य अतिथि महापौर डा. अजय कुमार सिंह और समारोह अध्यक्ष रवींद्र मिगलानी ने विजेताओं को पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए।आर्टिस्टिक सिंगल 9 से 14 आयु वर्ग (पुरुष) प्रथम - देव सैनी, द्वितीय -शिवा पाल, (9 से 14 आयु वर्ग महिला) प्रथम - पीहू सैनी, द्वितीय - आरुषि, तृतीय - अवनि राव, (18 से 28 आयु वर्ग महिला) प्रथम = शुभांशी,द्वितीय - आस्था, तृतीय - दीक्षा यादव, आर्टिस्टिक सिंगल के 14 से 28 आयु वर्ग पुरुष में प्रथम - अभिषेक, आर्टिस्टिक पेयर में 9 से 14 आयु वर्ग महिला) प्रथम - वंशिका व जीविका,9 से 14 आयु वर्ग पुरुष प्रथम = येशु पाल, अक्षित, द्वितीय = धैर्य, देवांश, 14 से 18 आयु वर्ग पुरुष में प्रथम - सार्थक, आरव,रिदमिक पेयर 9 से 14 आयु वर्ग पुरुष में प्रथम = शिवा, वंश द्वितीय, अक्षित, येशु पाल। यह विजेता टीम प्रदेश योगासन स्पोर्ट्स स्पर्धा में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। महापौर डा. अजय कुमार सिंह ने कहा कि योग से उन्हें जीवन ऊर्जा मिलती रही है, उन्होंने योग से मिलने वाली एकाग्रता, सोच और स्वास्थ्य को ऐसा वरदान बताया जो जीवन के हर क्षेत्र में सफलता दिलाने वाली कुंजी है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर को वैश्विक पहचान दिलाने वाले योगगुरु पद्मश्री स्वामी भारत भूषण के शहर सहारनपुर वासी युवाओं को तो नए मानदंड स्थापित करने चाहिए। इसके साथ ही कार्यक्रम अध्यक्ष रवींद्र मिगलानी और मुख्य अतिथि महापौर का संस्थाध्यक्ष एन के शर्मा, महासचिव नवानीश शर्मा और कार्यक्रम संयोजक अनीता शर्मा ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट करके अभिनंदन किया। निर्णायकों से उनका परिचय कराया गया। कार्यक्रम का समापन आयुष मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्राष्ट्रीय योग गीत तन मन जीवन चलों संवारें के गायन से हुआ। ज्ञातव्य है कि ये योगगीत भी सहारनपुर स्थित मोक्षायतन अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थान की देन है। जिसे सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2016 से योग गीत के रूप में स्वीकार किया है।

सभासदों सहित राशन उपभोक्ताओं ने एसडीएम देवबंद को सौंपा ज्ञापन

सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों को महीने में लगातार एक सप्ताह खोलने की मांग की

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, सभासद मो. वाजिद मलिक के नेतृत्व में अन्य सभासदो सहित राशन उपभोक्ताओं ने एसडीएम देवबंद अंकुर वर्मा को ज्ञापन देकर सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों को महीने में एक सप्ताह लगातार खोलने की हिदायत देने की मांग की। एसडीएम अंकुर वर्मा को दिए ज्ञापन में सभासद वाजिद मलिक ने बताया कि अधिकतर डीलर महीने में सिर्फ तीन दिन ही राशन का वितरण करते हैं। जिससे बहुत से लोग हर बार राशन लेने से वंचित रह जाते हैं। इतना ही नहीं इन तीन दिनों में कई बार मशीन खराब होने के चलते अधिकांश उपभोक्ता राशन डीलरों के चक्कर काट थकर हार कर बिना राशन लिए रह जाते हैं। उन्होंने एसडीएम से राशन डीलरो को महीने में सात-आठ दिन लगातार दुकानें खोलकर राशन का वितरण करने की मांग की। जिससे की उपभोक्ता सरकारी योजना का लाभ लेते हुए राशन प्राप्त कर सकें। इस दौरान और औसाफ सिद्दीकी, शाहिद हसन, आसिफ लियाकत, डॉक्टर असलम अली आदि मौजूद रहे।

राजकीय मेडिकल कॉलेज सहारनपुर के सहायक आचार्य एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर गगन गर्ग ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवबंद की विभिन्न सेवाओं का किया निरीक्षण

इस दौरान रोगी हित में दी जाने वाली सभी सुविधाएं दुरुस्त पाई गई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, राजकीय मेडिकल कॉलेज सहारनपुर के सहायक आचार्य एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर गगन गर्ग ने आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवबंद की विभिन्न सेवाओं का निरीक्षण किया। जिसमें वैक्सीन से संबंधित गोल्ड चेन पोस्ट नेटल वार्ड तथा प्रसूति रोग विभाग के वार्ड लेबर रूम फार्मेसी से संबंधित दवाइयां की उपलब्धता, आपातकालीन विभाग में उपस्थित आपातकालीन मरीजों के लिए सुविधाओं का निरीक्षण किया गया। जिसमें रोगी हित में दी जाने वाली सभी सुविधाएं दुरुस्त पाई गई। निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवबंद के चीफ फार्मासिस्ट ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर ब्लड बैंक से संबंधित स्टाफ लेबर रूम वार्ड से स्टाफ नर्स आदि स्वास्थ्य कर्मियों ने निरीक्षण में डॉक्टर गगन गर्ग का सहयोग किया और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए जानकारी साझा की।

दमोह के सागर रोड स्थित मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के वेयरहाउस औचक निरीक्षण

खाद्य सुरक्षा प्रशासन एवं खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा संयुक्त कार्यवाई

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर दमोह सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल एवं राजेश पटेल प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने निरीक्षण कार्यवाही करते हुए दमोह के सागर रोड स्थित मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के वेयरहाउस /गोदाम का औचक निरीक्षण किया है। निरीक्षण के दौरान मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन जिला प्रबंधक बीएम राठौर एवं नागरिक आपूर्ति निगम के केंद्र प्रभारी अनिल कुमार खरे उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस में फ़ूड लाइसेंस की प्रति लगी हुई पाई गई है। वेयरहाउस में पेस्ट कंट्रोल व्यवस्था पाई गई है। उक्त शासकीय वेयरहाउस में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत नागरिकों को राशन दुकान से वितरित किए जा रहे डबल फोर्टिफाइड वन्या प्लस नमक का भंडारण किया है। परिसर में स्टॉक में संग्रहित डबल फोर्टिफाइड वन्या प्लस नमक के नमूने जांच हेतु लिए गए हैं। उक्त नमक के नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। राज्य शासन द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली में राशन दुकान के माध्यम से उपभोक्ताओं को डबल फोर्टीफाइड नमक वन्या प्लस उपलब्ध करवाया जा रहा है। साधारण नमक में आयोडीन एवं आयरन को सूक्ष्म मात्रा में मिलाकर डबल फोर्टीफाइड नमक तैयार किया जाता है। मानव शरीर में आयोडीन की कमी से घेंघा रोग, बौनापन, मानसिक विकलांगता, गर्भपात, बहरापन, कम सुनाई देना, बौद्धिक क्षमता में कमी आदि विकार उत्पन्न हो जाते हैं। आयोडीन नमक के उपयोग से इन रोगों से बचा जा सकता है। इसी तरह भोजन में आयरन की कमी होने से एनीमिया रोग उत्पन्न होता है। इन रोगों से बचाव के लिए सभी नागरिकों को प्रतिदिन अपने भोजन में केवल आयोडीन एवं आयरन युक्त डबल फोर्टीफाइड नमक का ही इस्तेमाल करना चाहिए।

डबल फोर्टीफाइड नमक का सही रखरखाव जरूरी है एवं इसके उपयोग करते समय नमक को केवल हवा बंद डिब्बे में रखना चाहिए एवं सूखी चम्मच का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया नमक को गैस के चूल्हे एवं धूप से दूर रखना आवश्यक है। नमक को खुले में नहीं छोड़ना चाहिए। उक्त डबल फोर्टीफाइड नमक में काले से दिखने वाले दाने आयरन के पोषक तत्व होते हैं, जिनके कारण भोजन को बनाते समय भोजन में हल्का काला रंग दिखता है। इस काले रंग से डबल फोर्टीफाइड नमक के गुणों में कोई फर्क नहीं पड़ता है एवं इसका भोजन में उपयोग करने में कोई नुकसान नहीं है, इससे भोजन के स्वाद, पोषण एवं गुणों में कोई अंतर नहीं आता है।

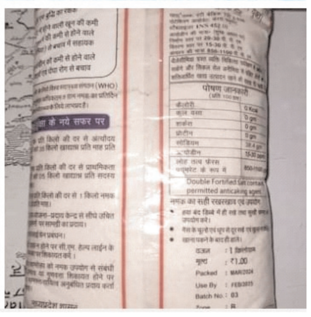

भारत निर्वाचन आयोग ने जारी की अधिसूचना

एग्जिट पोल एवं परिणाम का प्रकाशन या प्रचार एक जून को शाम 6.30 बजे तक पूर्णतः प्रतिबंधित

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। आदर्श आचार संहिता के दौरान एक जून की शाम 6.30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर पूर्णतया प्रतिबंध रहेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि निर्वाचन के दौरान सभी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिये नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घंटों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपीनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामलों के प्रदर्शन पर भी पूर्णतया प्रतिबंध रहेगा। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा 126 क में यह प्रावधानित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति, कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान, जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार भी नहीं करेगा। यदि कोई व्यक्ति इस प्रावधान का उल्लंघन करेगा, तो वह ऐसी अवधि के कारावास से, जो दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से, दण्डनीय होगा।

शिकायत प्रकोष्ठ में अधिकारी/कर्मचारियों हुये पदाविहित

शिकायत प्रकोष्ठ मतगणना परिसर के कक्ष क्रमांक 32 मे

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु 07-दमोह संसदीय क्षेत्र की मतगणना 04 जून 2024 को प्रातः 08 बजे पॉलिटेक्निक कॉलेज दमोह के परिसर में विधानसमा क्षेत्र 54 पथरिया की मतगणना कक्ष क्रमांक 03, विधानसभा 55-दमोह की मतगणना कक्ष क्रमांक 05 एवं 04, विधानसभा क्षेत्र 56-जबेरा की मतगणना कक्ष क्रमांक 48 एवं 02 तथा विधानसभा 57-हटा की मतगणना कक्ष क्रमांक 07 एवं 08 में संपन्न की जायेगी। मतगणना परिसर के कक्ष क्रमांक 32 में शिकायत प्रकोष्ठ का गठन किया गया हैं। शिकायत प्रकोष्ठ में अधिकारी/कर्मचारियों को पदाविहित किया गया हैं। इसमें वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी एवं नोडल अधिकारी, ऑफ लाईन शिकायत प्रकोष्ठ डॉं. संजय पांडे होगें। इसी प्रकार संबंद्ध शिकायत प्रकोष्ठ सहायक ग्रेड-2 आर.पी. सोनी, कृषि विभाग दमोह सहायक ग्रेड-3 आकाश सिंह राजपूत, जिला कार्यालय सहायक ग्रेड-3 बालचंद कोरी एवं सहायक ग्रेड-3 महेन्द्र चौधरी तथा मुख्य चिकि. एवं स्वा. अधि. कार्या. दमोह भृत्य विनोद अठया को नियुक्त किया गया हैं। उन्होंने कहा उक्त कार्यों के सम्पादन हेतु लगाये गये अधिकारियों/कर्मचारियों को मतगणना स्थल पर प्रातः 06 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। मतगणना स्थल में प्रवेश हेतु प्रवेश पत्र जारी किया जाना हैं। अतः आप संबंधित अपनी-अपनी एक पासपोर्ट साईज फोटो जिस पर पीछे संबधित का नाम लिखा हो 30 मई 2024 तक निर्वाचन शाखा दमोह में प्रवेश पत्र तैयार कराये जाने हेतु आवश्यक रूप से जमा करेंगे।

पत्नी की हत्या करने वाले पति न्यायालय ने सुनाई सजा

आरोपी पति को दी आजीवन कारावास की सजा

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, दमोह में न्यायालय शरतचन्द सक्सेना, विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटीज)एक्ट जिला दमोह की अदालत ने आरोपी - संतोष रैकवार पिता धनीराम उम्र 29 वर्ष निवासी मुकेश कॉलोनी दमोह को सजा न्यायालय द्वारा आरोपी को भां.द.वि. की धारा 302 में आजीवन करावास व धारा 201 भादवि में 05 वर्ष का सश्रम कारावास एवं कुल 7000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया. मामले की सूक्ष्मता से विवेचना तत्कालीन निरीक्षक कोतवाली एचआर पाण्डेय द्वारा की गई. संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियुक्त के विरूद्ध न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया.मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित था, न्यायालय में आई मौखिक व दस्तावेजी साक्ष्य, अभियुक्त की न्यायेत्तर संस्वीकृति व उससे जप्त मृतिका की सामग्री की संपुष्टिकारक साक्ष्य तथा उनसे संबंधित अभियोजन द्वारा प्रस्तुत तर्कों व न्यायदृष्टांतो के आधार पर माननीय न्यायालय ने आरोपी को आजीवन कारावास से दंडित किया.

मामले में पैरवी प्रभारी जिला अभियोजन अधिकारी कैलाशचंद पटेल के निर्देशन में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी सतीश कपस्या द्वारा की गई. सूचनाकर्ता सत्यम चौबे 12 मार्च 2020 को अपने दोस्तों के साथ सर्किट हाउस पहड़िया घूमने गया था, घूमते-घूमते पहड़िया के नीचे तरफ झाडी के नीचे एक महिला मृत हालत में पड़ी दिखी, तब इसने फोन द्वारा 100 नंबर पर फोन करके पुलिस को सूचना दी. तब मौके पर पुलिस पहुंची थी, उक्त रिपोर्ट के आधार पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया, विवेचना के दौरान अज्ञात शव श्रीमती मनीषा रैकवार पति सतोष स्कवार आयु 22 साल निवासी मुकेश कालोनी दमोह मप्र का होना पाया गया, तथा विवेचना के दौरान साक्षियों के कथन, आरोपी के मेमोरेण्डम कथन, जप्ती व संकलित साक्ष्य के आधार पर उक्त अपराध मृतिका के पति संतोष रैकवार द्वारा घटित किया जाना पाया गया. आरोपी संतोष रैकवार द्वारा अपने ससुर व साली के समक्ष घटना करने के उपरांत यह स्वीकार किया था कि उसने मृतिका को निपटा दिया है. इसके उपरांत पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर आरोपी ने मृतिका की गला घोंटकर हत्या करना व मृतिका की स्कूटी, किताबें, बैग आदि को मतस्य विभाग के पास उसकी निशानदेही पर जप्त किया था.

दमोह में हुआ सड़क हादसा

रुक जाना नहीं की छात्रा को छोड़ने दमोह आ रहे बाइक चालक युवक की मौत छात्रा की हालत गंभीर....

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह. जिले के नोहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत बिस्नाखेड़ी तिराहा के समीप बाइक सवार युवक रुक जाना नहीं परीक्षा में शामिल करने के लिए बहन को लेकर दमोह रहा था, जहां बाइक सवार शिवम पिता लखन चौधरी उम्र 20 वर्ष निवासी जबेरा कक्षा 12वीं की बहन मोहिनी पिता राजेश चौधरी उम्र 19 वर्ष निवासी पौड़ी को दमोह परीक्षा में शामिल कराने के लिए आ रहा था, जहां बिस्नाखेबी के समीप एक ट्रक की साइड से टक्कर लग जाने पर युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई, वहीं कक्षा 12वीं की छात्रा का इलाज दमोह जिला अस्पताल में जारी है। मौके पर 108 पहुंची थी जो दोनों को इलाज के लिए दमोह जिला अस्पताल लेकर आई थी, घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर थाना प्रभारी नोहटा अरविंद सिंह भी घटनास्थल पहुंचे और उन्होंने घटना के संबंध में जानकारी ली। इधर दमोह कलेक्टर श्री कोचर को भी इस हादसे की खबर लगते तत्काल सिविल सर्जन सहित अधिकारियों को छात्र के बेहतर उपचार के लिए निर्देशित किया।

कटनी में नशे की हालत में युवकों ने मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव को मारा चाकू

मामला दर्ज कर जाँच में जुटी पुलिस

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, नशे की हालत में कुछ युवकों द्वारा एक मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव से बिना किसी बात के झगड़ा कर चाकू मारने का मामला सामने आया है। घायल को उनके सहयोगीयों के द्वारा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहाँ युवक का इलाज जारी है। जबकि हमलावर युवक फरार है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपित पर मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुट गई है। घायल के साथियों ने बताया कि अभय उपाध्याय अरिस्टो फार्मास्यूटिकल्स कंपनी में चिकित्सा प्रतिनिधि के तौर पर काम करतें है और प्रतिदिन की तरह डाक्टरों से मिलने के लिए निकले थें इसी दौरान अभय उपाध्याय बरगवा स्थित किसी डिस्पेंसरी डॉक्टर से मिलने गया था और वहा से वापस हो था उसी समय कुछ युवकों की बाइक से थोड़ी टक्कर हो गई और युवकों ने बात विवाद शुरूकर युवक पर दनादन चाकू से हमला कर दिया जिससे युवक की जाँघ पर दो चाकू के घाव लगे है। घटना के बाद युवक कों इलाज के लिए शासकीय जिला अस्पताल लाया गया जहाँ पर युवक का उपचार जारी है। घायल युवक ने पुलिस कों शिकायत देकर अज्ञात युवकों पर हमला करने का आरोप लगाया है।

दमोह के ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

31 मई 2024 तक विद्यालयीन समय में आवेदन आमंत्रित किये

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा संचालित संभाग स्तरीय (सीबीएसई से मान्यता प्राप्त) ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय, सोमनाथ पुरम रोड, तिली में शैक्षाणिक सत्र 2024-25 में विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं में रिक्त सीटों के विरूध्द छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया जाना है। इसके लिए 31 मई 2024 तक विद्यालयीन समय में आवेदन आमंत्रित किये गये है। इच्छुक छात्र-छात्राओं को पूर्व कक्षा में बी ग्रेड अथवा प्रथम श्रेणी एवं मूल निवासी मध्यप्रदेश का होना आवश्यक है। आवेदन फार्म कार्यालयीन समय में विद्यालय से प्राप्त किए जा सकते है। कक्षा 7 वी. से 11 वी. कक्षा तक के लिए सीटे रिक्त है। जिसमें कक्षा 11 वी. में गणित, जीवविज्ञान एवं वाणिज्य संकाय में ही प्रवेश दिया जा सकेगा।

ब्रिटेन घूमने गए प्रसिद्ध पाकिस्तानी राजनेता ने की शर्मनाक करतूत

अब चलेगा बाल यौन अपराध का मुकदमा

लंदन- वरिष्ठ पाकिस्तानी राजनेता मुहम्मद खुर्रम खान पर बाल यौन अपराध का आरोप लगने के बाद ब्रिटेन में मुकदमा चलाया गया है। एबटाबाद के मानसेहरा के एक प्रसिद्ध राजनीतिक परिवार के वंशज 60 वर्षीय मुहम्मद खुर्रम खान इस साल की शुरुआत में अपने बेटे के कानून स्नातक समारोह में भाग लेने के लिए ब्रिटेन पहुंचे थे, लेकिन कथित तौर पर यौन उद्देश्यों के लिए एक बच्चे के साथ जुड़ गए और जासूसों द्वारा पकड़ लिए गए। किंग्स्टन क्राउन कोर्ट में अभियोजन पक्ष ने न्यायाधीश को बताया कि खुर्रम पर दो मामलों में आरोप लगाया गया है। एक बच्चे के साथ यौन संचार का प्रयास और बाल यौन अपराध की व्यवस्था करना या उसे सुविधाजनक बनाना। खुर्रम, जो विजीटर वीजा पर ब्रिटेन में है और खान खेल कबीले से है, वैंड्सवर्थ जेल में अपने सेल से किंग्स्टन क्राउन कोर्ट में वीडियो लिंक के माध्यम से न्यायाधीश के सामने पेश हुए। उन्हें इस साल की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था और अभी तक जमानत नहीं मिली है। सुनवाई में उनका प्रतिनिधित्व उनकी वकील चार्लेन सुमनॉल ने किया। खान ने छोटे यौन अपराधों के आरोपों से इनकार किया है और उनके करीबी लोगों ने कहा है कि उन्हें फंसाया गया है और निशाना बनाया गया है। उनके एक करीबी दोस्त ने जियो न्यूज को बताया कि खान एक निर्दोष व्यक्ति हैं और यूके के अभियोजन पक्ष के आरोपों से इनकार करते हैं। खुर्रम ने सोचा कि वह 17 साल से कम उम्र की एक लड़की से बात कर रहा है, और लड़की ने ऐसा दिखावा किया लेकिन वास्तव में सोशल मीडिया एप्लिकेशन के दूसरे छोर पर एक पुलिस जासूस था। समझा जाता है कि संपर्क सोशल मीडिया पर शुरू हुआ। 2003 यौन अपराध अधिनियम में प्रावधान है कि पूरे ब्रिटेन में यौन सहमति की उम्र 16 वर्ष है । खुर्रम नेशनल असेंबली के लिए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ विधायक शहजादा गुस्ताप खान के चचेरे भाई और बहनोई हैं, जिन्होंने 8 फरवरी को पूर्व प्रधान मंत्री नवाज शरीफ के खिलाफ चुनाव जीता था। उनके पिता मोहम्मद हनीफ खान दो अलग-अलग मौकों पर नेशनल असेंबली के लिए संसद सदस्य रहे हैं और उन्होंने डिप्टी स्पीकर और संघीय मंत्री के रूप में कार्य किया है। वह पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) से ताल्लुक रखते थे।खुर्रम ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा लॉरेंस कॉलेज गोरा गली और बर्न हॉल स्कूल एंड कॉलेज एबटाबाद से प्राप्त की। वह लॉ ग्रेजुएट हैं लेकिन प्रैक्टिसिंग वकील नहीं रहे हैं। खुर्रम तहसील नाजिम मनसेहरा और खगान विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रह चुके हैं।

इंस्टाग्राम रील बनाने के चक्कर में 100 फुट गहरे पानी में लगा दी छलांग, मौत

नेशनल डेस्क- सोशल मीडिया की दुनिया में लोग दिखावा करने से कभी परहेज नहीं करते हैं, और अगर बात हो रील बनाने की तो उसके लिए लोग कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं। रील बनाने के चक्कर में लोग हर चीज़ को हर लेवल तक करने को तैयार हो जाते है, फिर चाहे उनकी खुद की जान ही खतरे में क्यू ना फंस जाए। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि झारखंड के साहिबगंज जिले में एक 18 वर्षीय व्यक्ति इंस्टाग्राम रील बनाने के लिए ऊंचाई से गहरे पानी में कूदने के बाद डूब गया।

तौसीफ नाम का यह शख्स सोमवार शाम करीब 100 फीट की ऊंचाई से खदान झील में कूद गया। झील में नहा रहे उसके दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन असफल रहे। उन्होंने स्थानीय लोगों और पुलिस को सतर्क किया और एक तलाशी अभियान शुरू किया गया। बाद में युवक का शव बरामद किया गया।

घटना का एक वीडियो, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, उसमें युवक को पानी में कूदते हुए दिखाया गया है जबकि उसका दोस्त उसकी हिम्मत को रिकॉर्ड कर रहा है। हालांकि पानी में गिरने के बाद जैसे ही वह तैरने लगा तो डूबने लगा। पुलिस उपाधीक्षक विजय कुमार कुशवाह के अनुसार कई फीट गहरे पानी में कूदने के बाद युवक खुद को संभाल नहीं सका और डूब गया।

सिर्फ 5 मिनट में 6000 फीट नीचे उतरा विमान

इंटरनेशनल डेस्क- लंदन से सिंगापुर जा रही सिंगापुर एयरलाइंस की एक फ्लाइट 777-300ER को गंभीर एयर टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा। विमान के केवल पांच मिनट के भीतर 6,000 फीट नीचे उतरा। तेज झटकों की वजह से एक यात्री की मौत हो गई और 30 पैसेंजर घायल हो गए, जिसके कारण विमान को बैंकॉक में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। फ्लाइटरडार 24 डेटा के अनुसार, विमान अंडमान सागर को पार करते हुए थाईलैंड के करीब पहुंचते ही महज पांच मिनट के भीतर लगभग 37,000 फीट की ऊंचाई से तेजी से गिरकर 31,000 फीट पर आ गया। उस समय लंदन से उड़ान भरने के लगभग 11 घंटे बाद तक यह उड़ान भर चुका था।

28 वर्षीय दज़ाफ़रान आज़मीर ने कहा, अचानक विमान ऊपर की ओर झुकने लगा और कंपन होने लगा, इसलिए मैंने जो कुछ हो रहा था, उसके लिए तैयार होना शुरू कर दिया, और अचानक बहुत नाटकीय गिरावट हुई, इसलिए सीट बेल्ट नहीं पहनने वाले सभी लोग तुरंत छत से टकरा गए। विमान के अंदर के दृश्य में टूटे हुए डिब्बे, कंबल और फर्श पर बिखरे हुए विविध सामान, और छत से लटके हुए मास्क और लाइट और पंखे के पैनल दिखाई दे रहे हैं। बोइंग 777-300ER विमान 211 यात्रियों और 18 चालक दल के साथ सिंगापुर जा रहा था जब इसकी आपातकालीन लैंडिंग हुई। सिंगापुर एयरलाइंस ने एक बयान में मौत की पुष्टि की। एयरलाइन ने कहा कि सिंगापुर जाते समय विमान को गंभीर अशांति का सामना करना पड़ा। एयरलाइन ने कहा, 20 मई 2024 को लंदन (हीथ्रो) से सिंगापुर के लिए उड़ान भरने वाली सिंगापुर एयरलाइंस की उड़ान SQXWV को रास्ते में गंभीर अशांति का सामना करना पड़ा। विमान को बैंकॉक की ओर मोड़ दिया गया और 21 मई 2024 को स्थानीय समयानुसार 1545 बजे उतरा। हम पुष्टि कर सकते हैं कि चोटें आई हैं और बयान में कहा गया है, बोइंग 777-300ईआर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसमें कहा गया, सिंगापुर एयरलाइंस मृतक के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है।

जयशंकर ने ईरानी दूतावास का दौरा किया राष्ट्रपति रईसी के निधन पर शोक व्यक्त किया

इंटरनेशनल डेस्क - विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को दिल्ली में ईरानी दूतावास का दौरा किया और हेलीकॉप्टर दुर्घटना में हुई राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी तथा विदेश मंत्री हुसैन आमिर-अब्दुल्लाहियन की मौत पर भारत की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। रईसी के सम्मान में मंगलवार को पूरे भारत में एक दिवसीय राजकीय शोक मनाया जा रहा है। जयशंकर ने कहा कि भारत इस कठिन समय में ईरान के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। उन्होंने 'एक्स पर कहा, राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और मेरे सहयोगी विदेश मंत्री हुसैन आमिर-अब्दुल्लाहियन के दुखद निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करने के लिए आज दिल्ली में ईरान के दूतावास का दौरा किया। जयशंकर ने कहा, उन्हें (रईसी और अब्दुल्लाहियन) हमेशा भारत के दोस्तों के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने भारत-ईरान संबंधों के विकास में बहुत योगदान दिया। रईसी (63) और उनकी टीम के लोग रविवार को अज़रबैजान-ईरान सीमा पर एक क्षेत्र से वापसी के दौरान उत्तर-पश्चिमी शहर ताब्रीज़ की ओर जा रहे थे कि तभी उनका हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

भूकंप के 150 झटकों से दहला इटली, आवासीय इमारतें व महिला जेल करवाई गई खाली

मिलान: दक्षिणी इतालवी बंदरगाह शहर के पश्चिम में एक सक्रिय ज्वालामुखी में भूकंप का केंद्र होने के कारण भूकंप के 150 झटके महसूस किए गए। 4.4 तीव्रता के इन भूकंप झटकों के बाद एहतियात के तौर पर सैंकड़ों इमारतों और नेपल्स के पास एक महिला जेल को खाली करा लिया गया जिससे सैकड़ों निवासियों को टेंट या कारों में सोने के लिए मजबूर होना पड़ा। सोमवार शाम आए भूकंप के बाद किसी के घायल होने और केवल मामूली क्षति की सूचना नहीं है। इटली के आईएनजीवी नेशनल जियोफिजिक्स के ज्वालामुखीविज्ञानी ग्यूसेप डी नताले ने कहा कि यह भूकंप फिलेग्रेन फील्ड्स के आसपास दर्ज इतिहास में सबसे शक्तिशाली था, जो टायरानियन सागर के पास प्राचीन ज्वालामुखी केंद्रों का एक विशाल क्षेत्र है, जो नेपल्स और उसके उपनगरों के पश्चिमी इलाकों को कवर करता है। पॉज़्ज़ुओली उपनगर में एक महिला जेल से लगभग 140 कैदियों को बाहर निकाला गया, जबकि अधिकारी क्षति की जाँच कर रहे हैं। आरएआई स्टेट टीवी ने बताया कि संरचनात्मक जांच के लिए एक दर्जन अपार्टमेंट इमारतों को भी खाली करा लिया गया, जिससे लगभग 40 परिवार विस्थापित हो गए। रात भर में करीब 150 छोटे झटकों ने आबादी को खतरे में डाल दिया। कम से कम 500 लोग नागरिक सुरक्षा एजेंसी द्वारा बनाए गए तम्बू शहरों में सोए, जबकि अन्य कारों में रहे। लोगों द्वारा क्षेत्र से भागने की कोशिश के कारण बड़े यातायात जाम की सूचना मिली। बता दें कि फ्लेग्रेअन फ़ील्ड के आसपास का क्षेत्र भूकंपीय और ज्वालामुखीय दोनों रूप से सक्रिय है।

प्रशांत किशोर का दावा- बीजेपी को मिलेंगी 300 सीटें देशवासियों में पीएम के खिलाफ कोई गुस्सा नहीं

नेशनल डेस्क- राजनीतिक विश्लेषक प्रशांत किशोर ने मंगलवार को भविष्यवाणी की कि भाजपा को लोकसभा चुनाव में लगभग 300 सीटें मिलने की संभावना है, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कोई व्यापक गुस्सा नहीं है। प्रशान किशोर ने कहा कि बीजेपी के लिए अपने दम पर 370 सीटें हासिल करना असंभव है और पार्टी को लगभग 300 सीटें मिलेंगी। प्रशांत किशोर ने कहा, जिस दिन से पीएम मोदी ने दावा किया कि बीजेपी 370 सीटें हासिल करेगी और एनडीए 400 का आंकड़ा पार कर जाएगा, मैंने कहा कि यह संभव नहीं है। यह सब कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए नारेबाजी है। बीजेपी के लिए 370 सीटें हासिल करना असंभव है। लेकिन यह भी तय है कि पार्टी 270 के आंकड़े से नीचे नहीं जाएगी, मेरा मानना ? है कि बीजेपी उतनी ही सीटें हासिल करने में कामयाब होगी जितनी उसने पिछले लोकसभा चुनाव में हासिल की थी, यानी 303 सीटें, या शायद उससे थोड़ी अधिक। यह बताते हुए कि उन्हें क्यों लगता है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को 300 सीटें मिलेंगी, राजनीतिक विश्लेषक ने दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी को उत्तर और पश्चिम क्षेत्रों में कोई बड़ा नुकसान नहीं हो रहा है, जबकि दक्षिण और पूर्व में उसकी सीटों में वृद्धि देखी जाएगी। प्रशांत किशोर ने समझाया,पहले, देखें कि 2019 के चुनावों में भाजपा ने अपनी 303 सीटें कहाँ हासिल कीं। उन 303 सीटों में से 250 उत्तर और पश्चिम क्षेत्रों से आईं। मुख्य सवाल यह है कि क्या उन्हें इनमें महत्वपूर्ण नुकसान (50 या अधिक सीटें) का सामना करना पड़ रहा है इस बार पूर्व और दक्षिण में, भाजपा के पास लोकसभा में लगभग 50 सीटें हैं, इसलिए माना जाता है कि संचयी रूप से, पूर्व और दक्षिण में भाजपा की सीट हिस्सेदारी बढ़ रही है 15-20 सीटें बढ़ने की उम्मीद है, जबकि उत्तर और पश्चिम में कोई खास नुकसान नहीं हुआ है।

श्रीलंका में चीन द्वारा बनाए सेंट्रल एक्सप्रेसवे का पिलर ध्वस्त

66 मिलियन का हुआ नुकसान, BRI प्रोजेक्ट पर उठे सवाल

कोलंबो- श्रीलंका में सेंट्रल एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा ढहने के बाद चीन निर्मित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निर्माण गुणवत्ता फिर से चर्चा का विषय बन गई है। 35 मीटर लंबी बीम के अचानक ढहने से चिंता पैदा हो गई है। इस दुर्घटना से एक्सप्रेसवे के पूरे कदवथा-मिरिगामा खंड और चीनी कंपनियों द्वारा बनाई जा रही अन्य समान परियोजनाओं की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो गया है। बीम क्यों गिरी इसकी जांच के आदेश दे दिए गए हैं। श्रीलंकाई प्राधिकारी ने पाया है कि दो अन्य बीम खतरनाक स्थिति में थे। अब पूरे राजमार्ग खंड की गुणवत्ता की जांच करने की उम्मीद है जो चीनी कंपनी मेटलर्जिकल कॉरपोरेशन ऑफ चाइना द्वारा बनाया गया है। श्रीलंका में सड़क विकास प्राधिकरण के अनुसार, खंभों के गिरने से 66 मिलियन एलकेआर का नुकसान हुआ है क्योंकि अब उनका उपयोग नहीं किया जा सकता है। यदि जांच में एक्सप्रेसवे का पूरा निर्मित हिस्सा घटिया गुणवत्ता का पाया गया तो नुकसान अरबों में हो सकता है। इससे श्रीलंका और चीनी कंपनी एमसीसी के बीच जिम्मेदारी और नुकसान को लेकर टकराव होगा।चीन ने अपने बेल्ट रोड इनिशिएटिव के तहत श्रीलंका में बुनियादी ढांचे के निर्माण कार्यों पर अपना दबदबा बना लिया है। श्रीलंका द्वारा एक्ज़िम बैंक से ऋण लेने के बाद से राजमार्ग का निर्माण कार्य लंबे समय से अटका हुआ है, जिससे कर्ज का बोझ बढ़ गया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पहले ही श्रीलंका में चिंताजनक रूप से उच्च निर्माण लागत पर चिंता व्यक्त की है, जो कि वैश्विक औसत से तीन गुना अधिक है। सेंट्रल एक्सप्रेसवे को दुनिया का सबसे महंगा एक्सप्रेसवे बताया गया था। अब, चीनी ठेकेदारों की देरी के कारण विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के खर्च में और वृद्धि हुई है। विशेष रूप से, श्रीलंका में चीनी दूतावास ने दावा किया था कि एक्सप्रेसवे निर्माण कार्य से लगभग 1,500 नौकरियां पैदा होंगी। चीन ने श्रीलंका में बनाई गई अन्य परियोजनाओं के लिए भी इसी तरह के दावे किए। हालांकि, जमीनी हकीकत बिल्कुल उलट है। श्रीलंकाई निर्माण क्षेत्र में 60 प्रतिशत का महत्वपूर्ण संकुचन हुआ है, जिसके कारण 500,000 नौकरियों का नुकसान हुआ है। बताया गया है कि बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अस्थिर चीनी ऋण के कारण श्रीलंका ऋण जाल में फंस गया है। बीआरआई के नेतृत्व वाली हंबनटोटा बंदरगाह और मटाला राजपक्षे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे जैसी बुनियादी ढांचा गतिविधियों ने श्रीलंका को ऋण समस्या की ओर अग्रसर किया है। इसलिए कोलंबो राजस्व उत्पन्न करने के लिए संघर्ष कर रहा है, जिसका उपयोग ऋण चुकाने के लिए किया जा सकता है। श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन अनुरोधों के बारे में चीन अभी भी अनिच्छुक है। खोजी पत्रकारिता रिपोर्टिका ने अपनी खोजी समाचार रिपोर्ट में पाया कि श्रीलंका में चीन द्वारा वित्त पोषित लगभग 71 प्रतिशत परियोजनाओं की लागत में वृद्धि देखी गई, जबकि 50 प्रतिशत खराब गुणवत्ता वाली थीं। इसमें कहा गया है, अधिकांश परियोजनाएं लागत में बढ़ोतरी से प्रभावित हुई हैं, जो इन पहलों में आने वाली वित्तीय कठिनाइयों को उजागर करती है। विलंब ने परियोजनाओं के एक बड़े हिस्से को प्रभावित किया है, जो अपेक्षित समयसीमा को पूरा करने में असमर्थता का संकेत देता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569